www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल

वर्षः 6 अंक 101

शनिवार 30 मई, 2026

तापमान
अधिकतम 33°C
न्यूनतम 25°C

मूल्य 2 रुपए पृष्ठ-8

मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित

www.tarunmitra.in

कर्नाटक में सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर, मंत्रिपरिषद भंग

♦ कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे सिद्धारमैया, नए चेहरे पर मंथन जारी, डीके शिवकुमार की ताजपोशी के संकेत तेज

बेंगलुरु, 29 मई। कर्नाटक की राजनीति में बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद को भी तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया।

राज्यपाल कार्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के बाद राज्य की राजनीति में हलचल और तेज हो गई है। हालांकि नई सरकार के गठन तक सिद्धारमैया कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। उधर कर्नाटक के कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से दिल्ली में शुक्रवार को अलग-अलग मुलाकात की। राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह फैसला लिया। बताया गया है कि सिद्धारमैया ने 28 मई को अपना इस्तीफा सौंपा था, जिसे 29 मई को मंजूरी दे दी गई। राज्यपाल ने अपने पत्र में कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक सरकार की निरंतरता बनाए रखने के लिए सिद्धारमैया कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस संगठन के भीतर बैठकों और मंथन का दौर शुरू हो गया है। पार्टी विधायक दल की बैठक जल्द बुलाए जाने की संभावना है, जिसमें नए नेता का चयन किया जाएगा।

मप्र जल संरक्षण में बना अग्रणी राज्यः मुख्यमंत्री

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत दो लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य पूर्ण, 10644 करोड़ की स्वीकृत राशि से संवर रहे पारंपरिक जल स्रोत

भोपाल, 29 मई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड दो लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। मध्य प्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है। इसी पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से एक पवित्र जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के तहत राज्य में कुल 3,67,777 कार्यों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार पूरा किया जा चुका है, जबकि 1,51,093 कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस विशाल अभियान को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 10,644.02 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से अब तक 6,330.81 करोड़ रुपये (लगभग 59.5%) की राशि का उपयोग किया गया है, जो विकास की वास्तविक गति को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज (कुआं पुनर्भरण) संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य 'अमृत सरोवरों' का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामाजिक, पर्यावरणीय और शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष प्रयास किए गए हैं। वाटरशेड प्रबंधन के तहत 4,822 कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिससे भूमिगत जल स्तर में व्यापक सुधार होगा। वहीं, स्कूलों में स्वच्छता और शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 'हङ्गह मोबाइल ऐप' के माध्यम से 5,275 पानी की टंकियों की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया है। इसके अलावा, 'जल संसद जल बंधन 2.0' पहल के तहत 21.23 लाख से अधिक कार्यों का सफल पंजीकरण किया गया है, जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने की उत्कृष्ट दर 91.3% दर्ज की गई है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मध्य प्रदेश इस दिशा में निरंतर नवाचार करता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से राहत, हटाई गई ग्रैप- 1 की पाबंदियां

नई दिल्ली, 29 मई। राजधानी दिल्ली की हवा में सुधार देखने को मिल रहा है। गुरुवार को हवा और बारिश के बाद प्रदूषण के स्तर पर काफी कमी आई है। ऐसे में शुक्रवार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 123 दर्ज किया गया। इसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उप-समिति ने क्षेत्र में लागू चरण-1 की सभी पाबंदियां तत्काल प्रभाव से हटा दीं।

मप्र के इंदौर में 9 से 13 जून तक होगा अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स कृषि सम्मेलन, तैयारियां जारी

इंदौर, 29 मई। मध्य प्रदेश के इंदौर में आगामी 9 से 13 जून तक कृषि विषय पर अंतरराष्ट्रीय महत्व का ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

अजय कोचर बने नौसेना के 48वें उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 29 मई। ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार रहे वाइस एडमिरल अजय कोचर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नौसेना स्टाफ के नए वाइस चीफ का पदभार संभाल लिया।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौसेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की आक्रामक फॉरवर्ड तैनाती को लागू करने में अहम भूमिका निभाई थी। वाइस एडमिरल कोचर ने वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की जगह ली है, जिन्हें पश्चिमी नौसेना कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। वाइस एडमिरल ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। वाइस एडमिरल कोचर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान नौसेना की उच्च-स्तरीय युद्ध-तैयारी का नेतृत्व किया था। वह भारतीय नौसेना के 48वें वाइस चीफ के रूप में कार्यभार संभाला।

रीवाः जल जीवन मिशन की प्रशिक्षण कार्यशाला का उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया शुभारंभ

भोपाल, 29 मई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के रीवा में कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित जल जीवन मिशन की प्रशिक्षण कार्यशाला का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुक्रवार को शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस अवसर पर कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने 10 लाख करोड़ रुपए की जल जीवन मिशन योजना बनाकर गावों तक फिल्टर किया हुआ साफ पानी पहुंचा दिया है।

इसे गांव के हर घर तक पहुंचाना और पानी की नियमित आपूर्ति बनाए रखने की जिम्मेदारी सरपंचों की है। शासन ने हाल ही में एसओआर के नए आदेश में ग्राम पंचायतों को 10 हजार रुपए तक के पेयजल संबंधी कार्य बिना किसी अनुमति के कराने के अधिकार दिए हैं। पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक संसाधनों की खरीदी के लिए 15वें वित्त आयोग एवं अन्य मदों से अनुमति दी गई है। सरपंच अपने अंदर हर घर में नल से जल पहुंचाने की इच्छाशक्ति भर कर लें तो जल जीवन मिशन का उद्देश्य पूरा हो जाएगा। सरपंच हर घर में नल से फिल्टर किया हुआ पानी पहुंचाकर पुण्य और यश दोनों कमायें। जल जीवन मिशन से केवल रीवा जिले में ही दो हजार करोड़ रुपये के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि घरों में पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी अब ग्राम पंचायत की है। हर घर में साफ पानी पहुंच गया तो अस्पताल की भीड़ आधी हो जाएगी। जल जीवन मिशन और पीएचई के इंजीनियर ग्राम पंचायतों को पूरा सहयोग करेंगे। अधूरी पाइपलाइनों का निर्माण पूरा कराया जाएगा। लेकिन घरों में पानी की जिम्मेदारी पंचायत को ही लेनी होगी। यदि पंचायतें साफ पानी की नियमित आपूर्ति करेंगी तो उन्हें जल कर वसूल करने में भी कठिनाई नहीं होगी। इसके लिए महिला स्वसहायता समूहों का भी सहयोग लिया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यशाला में समूह नलजल योजना तथा एकल नलजल योजना के संचालन और संधारण के संबंध में दी जा रही जानकारियों को आत्मसात करें।

सुप्रीम कोर्ट से विनेश फोगाट को चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की मिली अनुमति

नई दिल्ली, 29 मई। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। देश की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। 30 और 31 मई को होने वाले इन ट्रायल्स को लेकर चल रहा विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। दरअसल, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें विनेश फोगाट को ट्रायल में भाग लेने की इजाजत दी गई थी।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिससे विनेश के लिए रास्ता साफ हो गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान डब्ल्यूएफआई के रवैये पर नाराजगी जताई थी।

बीजेपी का बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, चार राज्यों में बदले अध्यक्ष

नई दिल्ली, 29 मई। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से चार राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर जारी इस फैसले को बीजेपी के बड़े संगठनात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। दिल्ली बीजेपी की कमान केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को सौंपी गई है, जबकि हरियाणा में अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। पंजाब में पार्टी ने सरदार केवल सिंह ढिल्लों को नेतृत्व की जिम्मेदारी दी है। वहीं त्रिपुरा इकाई की कमान अभिषेक देवरॉय को सौंपी गई है। बीजेपी नेतृत्व का कहना है कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य राज्यों में संगठन को और अधिक सक्रिय बनाना तथा जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करना है।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक पंजाब और दिल्ली में हुए बदलाव को आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब में केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति विशेष रूप से चर्चा में है। ढिल्लों पहले कांग्रेस से जुड़े रहे हैं और बाद में बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्हें पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का करीबी माना जाता है।

पार्टी द्वारा एक सिख चेहरे को पंजाब की कमान सौंपना राज्य में नए सामाजिक और राजनीतिक समीकरण बनाने की कोशिश माना जा रहा है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं और नए अध्यक्ष जल्द ही अपनी-अपनी प्रदेश इकाइयों की बैठकों का दौर शुरू करेंगे।

भारत-अमेरिका, अंतरिम व्यापार समझौते के करीब

बैठक

♦ पीयूष गोयल बोले- बातचीत में हुई उत्साहजनक प्रगति, जून में दिल्ली दौरे पर आएगा अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल

न्यूयॉर्क, 29 मई। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से कहा है कि भारत की अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत में 'उत्साहजनक प्रगति' हुई है और दोनों देश इस पर एक अंतरिम समझौते के करीब पहुंच गये हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार रात को यहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में एक गोलमेज बैठक के दौरान 50 से ज्यादा वैश्विक व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अमेरिकी-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसएफ) के सहयोग से किया था। पीयूष गोयल ने कहा कि गोलमेज बैठक में वैश्विक कारोबारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत विकास गाथा, सुधार-आधारित कारोबारी माहौल और वैश्विक निवेशकों के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला तथा साझा समृद्धि के लिए भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और आपूर्ति-श्रृंखला से जुड़ी साझेदारियों को और अधिक गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का आधार : उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु, 29 मई। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुक्रवार को आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन का 45वां स्थापना दिवस समारोह भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालु, स्वयंसेवक, आध्यात्मिक साधक और अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का वास्तविक आधार है।' उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तनाव, संघर्ष और मानसिक अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में आध्यात्मिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं और आत्मिक संतुलन का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायी शांति और भाईचारे की स्थापना तभी संभव है, जब व्यक्ति भीतर से शांत, संतुलित और सकारात्मक हो। उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र 'वसुधैव कुटुंबकम' को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की भारतीय सोच आज वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक हो गई है और आर्ट ऑफ लिविंग इस संदेश को प्रभावी रूप से विश्वभर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिकता और भारतीय प्राचीन परंपराएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग योग, ध्यान, प्राणायाम और मानवीय मूल्यों के माध्यम से आधुनिक जीवनशैली और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के बीच संतुलन स्थापित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है।

एसी धमाके से लगी आग, पूर्व आईएएस धनेंद्र कुमार की मौत

नई दिल्ली, 29 मई। दक्षिण दिल्ली के हौज खास इलाके में गुरुवार रात हुए दर्दनाक हादसे में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पहले चेयरमैन धनेंद्र कुमार का निधन हो गया। शुरूआती जांच में सामने आया है कि घर में लगे एसी में धमाके के बाद आग लगी, जिससे पूरा घर धुएं से भर गया। हादसे में उनका बेटा भी घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दिल्ली पुलिस के अनुसार रात करीब 11:18 बजे आग लगने की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची दमकल और पुलिस टीम ने घर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। 80 वर्षीय धनेंद्र कुमार और उनके बेटे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान धनेंद्र कुमार ने दम तोड़ दिया।

प्राइमरी शिक्षकों पर बढ़ता प्रशासनिक बोझ शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

सिस्टम ने मास्टर साहब को समझ लिया 'सुपरमैन'!

विवेक श्रीवास्तव

बढ़ता बोझ

♦ जनगणना के बीच भूसा जुटाने का आदेश बना नया विवाद
♦ शिक्षकों के विरोध के बाद विभाग को लेना पड़ा यू-टर्न
♦ गैरशैक्षणिक ड्यूटी से प्रभावित हो रही सरकारी स्कूलों की पढ़ाई

लखनऊ, 29 मई। उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था इन दिनों एक बड़े सवाल से जूझ रही है-आखिर सरकारी शिक्षक पढ़ाएं कब? प्रदेशभर में पहले से जनगणना तैयारियों और प्रशिक्षण में जुटे शिक्षकों पर अब नए-नए गैरशैक्षणिक कार्यों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला बरेली के नवाबगंज क्षेत्र का है, जहां विद्यालयों को निराश्रित गोवंशों के लिए भूसा एकत्र करने का आदेश जारी होने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया।

विरोध बढ़ा तो शिक्षा विभाग को बैकफुट पर आकर आदेश बदलना पड़ा, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों पर बढ़ते गैरशैक्षणिक दबाव को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। दरअसल, बरेली के नवाबगंज में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों को निर्देश जारी किया गया था कि प्रत्येक विद्यालय 46 किलो भूसा एकत्र कर ब्लॉक कार्यालय अथवा पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में जमा कराए।

आदेश में एक सप्ताह के भीतर कार्य पूरा करने, रसीद उपलब्ध कराने और लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी तक दी गई थी। यह निर्देश ऐसे समय आया जब प्रदेश के हजारों शिक्षक पहले से जनगणना प्रशिक्षण, डेटा संकलन और प्रशासनिक तैयारियों में व्यस्त हैं।

आदेश सामने आते ही शिक्षकों में भारी नाराजगी फैल गई। शिक्षक संगठनों ने इसे शिक्षा व्यवस्था का मजाक बताते हुए सवाल उठाया कि क्या अब शिक्षकों का काम पढ़ाना नहीं, बल्कि हर सरकारी अभियान को पूरा करना रह गया है। सोशल मीडिया से लेकर विभागीय स्तर तक मामला तेजी से उछला और कई जिलों के शिक्षकों ने खुलकर विरोध दर्ज कराया। शिक्षक संगठनों ने साफ संकेत दे दिए कि यदि इस तरह के आदेश वापस नहीं लिए गए तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विवाद बढ़ता देख शिक्षा विभाग ने तुरंत डैमेज कंट्रोल शुरू किया। विभाग की ओर से सफाई दी गई कि पहले जारी पत्र की भाषा में त्रुटि थी, जिसे गलत तरीके से समझ लिया गया।

जहरीली शराब का कहर, पुणे में 12 लोगों की दर्दनाक मौत

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

पुणे, 29 मई। महाराष्ट्र के पुणे में जहरीली शराब ने बड़ा कहर बरपाया है। हडपसर इलाके के पांढरे माला क्षेत्र में कथित रूप से जहरीली शराब पीने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य भी शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के मुताबिक शराब पीने के कुछ ही मिनट बाद लोगों को उल्टी, पेट दर्द और बेचैनी की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन कई लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध हाथ भट्टी की शराब लंबे समय से इलाके में बेची जा रही थी। स्थानीय निवासी सुनंदा साबले ने बताया कि मरने वालों में अरुण, राहुल और यशवंत नाम के तीन लोग एक ही परिवार के थे।

शराब पीने के करीब दस मिनट बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में खुलेआम अवैध शराब बिक रही है, लेकिन प्रशासन ने कभी सख्ती नहीं दिखाई। घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार हरकत में आ गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले को गंभीर बताते हुए पुणे और पिंपरी चिंचवड़ पुलिस आयुक्तों को संयुक्त जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया है।

लोकायुक्त की कार्रवाई: 10 हजार की रिश्वत लेते शासकीय स्कूल के प्राचार्य गिरफ्तार

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को इंदौर के संयोगितागंज स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक क्रमांक- 1 के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी राजकुमार चेलानी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपित प्राचार्य पर एक निजी स्कूल से संबंधित शिकायत के निराकरण के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

जानकारी अनुसार मामले की शिकायत इदरिस नगर निवासी एवं ह्लद इंटरनेशनल कॉन्वेंट स्कूलह्व के संचालक रवि जैसवाल ने लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय से की थी। शिकायत में बताया गया था कि उनके स्कूल के खिलाफ एक अभिभावक द्वारा शिकायत की गई थी, जिसके निराकरण के लिए प्राचार्य राजकुमार चेलानी द्वारा 10 हजार रुपए की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई।

निजी स्कूल की शिकायत के निराकरण के बदले मांगी थी राशि

इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की गई। शुक्रवार को आरोपी प्राचार्य ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की राशि लेने के लिए विद्यालय परिसर में बुलाया। जैसे ही उन्होंने रिश्वत की राशि स्वीकार की, लोकायुक्त की टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

कार्रवाई लोकायुक्त निरीक्षक प्रतिभा तोमर एवं उनकी टीम ने की। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम संशोधन-2018 की धारा 7 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तत्काल लोकायुक्त कार्यालय को दें।

आयोग सदस्य की बैठक से नदारद रहे अधिकारी, ठेका सफाई कर्मियों के शोषण पर जताई नाराजगी

जबलपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने जबलपुर दौरे के दौरान ठेका सफाई कर्मियों को न्यूनतम वेतन से कम भुगतान किए जाने के मामले को गंभीर बताते हुए स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठाए। दो दिवसीय निरीक्षण और बैठकों के बाद शुक्रवार को मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग को सबसे अधिक शिकायतें सफाई कर्मियों के आर्थिक शोषण से संबंधित मिली हैं।

प्रियंक कानूनगो ने कहा कि नगर निगम के प्रतिनिधियों को वीडियो साक्ष्यों के माध्यम से पूरी स्थिति से अवगत कराया गया है। साथ ही श्रम विभाग के अधिकारियों को भी मामले की जानकारी दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली लौटने के बाद स्थानीय प्रशासन को नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग से जुड़े सफाई कर्मियों को तय वेतन से आधे से भी कम राशि दी जा रही है, जो श्रमिकों के साथ गंभीर अन्याय है। आयोग इस तरह की अनियमितताओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा। कानूनगो ने चंदन वाल्मीकि के मामले का जिक्र करते हुए बताया कि वह वर्षों से रेलवे में ठेकेदार के माध्यम से कार्यरत हैं। आरोप है कि वेतन खाते में आने के बाद ठेकेदार एटीएम से आधी राशि निकाल लेते हैं।

एमवाय अस्पताल के बाथरूम में मिला मासूम का शव, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंदौर के सबसे बड़े शासकीय महाराजा यशवंतराव (एमवाय) अस्पताल में शुक्रवार सुबह इमरजेंसी वार्ड के ठीक सामने स्थित बाथरूम में एक नवजात शिशु का शव मिला है। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, यह मामला सुबह उस वक्त उजागर हुआ जब कुछ लोग अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड के पास बने बाथरूम का उपयोग करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां पड़े एक नवजात के शव पर पड़ी। लोगों ने बिना देर किए इसकी जानकारी वहां तैनात सुरक्षा गाड्र्स को दी। इसके बाद अस्पताल के सफाई कर्मचारियों की मदद से मासूम के शव को बाथरूम से बाहर निकाला गया। शुरूआती जांच और डॉक्टरों के मुआयने में सामने आया है कि शिशु की उम्र करीब तीन महीने के आसपास है। शव को पहले अस्पताल के सीएचएमओ कक्ष में रखवाया गया था, जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मचुर्री भिजवा दिया है। इस घटना के बाद से अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। एमवाय जैसे बड़े अस्पताल में चौबीसों घंटे भारी संख्या में सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं और परिसर के चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं। इसके बावजूद कोई अज्ञात व्यक्ति तीन महीने के बच्चे का शव बाथरूम में छोड़कर आसानी से निकल गया। पुलिस ने अस्पताल में लगे सभी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

एसडीआरएफ की टीम ने नर्मदा नदी के पुष्कर बांध में डूबे व्यक्ति शव निकाला

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के अमरकंटक स्थित नर्मदा नदी के पुष्कर बांध में गुरुवार दोपहर बराती निवासी 45 वर्षीय सुरेश सिंह धुर्वे की डूबने से मृत्यु हो गई। सूचना पर एसडीआरएफ के गोताखोरों ने दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह शव को ढूढ़ निकाला। पुलिस पोस्टमार्टम के लिए लिये स्थानिय चिकित्सालय भेज कर कार्यवाही कर रहीं हैं।

प्लाटून कमांडर राम नरेश भवेदी ने बताया कि गुरूवार को अमरकंटक के नर्मदा नदी के पुष्कर बांध में बराती निवासी 45 वर्षीय सुरेश सिंह धुर्वे की डूबने की सूचना पर 7 सदस्यी टीम भूपेंद्र सिंह, सुनील सिंह,अनुज कुमार,शिवप्रताप सिंह, अधारी सिंह एवं भागवत सिंह अनूपपुर से रवाना हो कर शाम को ढुढ़ने का प्रयास किया गया किन्तु तेज बारिश एवं अंधेरा अधिक होने के कारण रेस्क्यू कार्य बंद कर दिया गया है। प्रातः पुनः रेस्क्यू कार्य करते हुए टीम ने डूबे हुए व्यक्ति का शव गहरे पानी से निकाल लिया। जिसे पुलिस को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार मृतक सुरेश सिंह धुर्वे गुरुवार की सुबह घर से इंडियन गैस एजेंसी में गैस सिलेंडर ट्रक खाली कराने के कार्य के लिए निकला था। घर से निकलते समय उसने भाभी से कहा था कि वह कुछ पैसे कमाकर शीघ्र वापस लौट आएगा। कार्य समाप्त करने के बाद वह नर्मदा पुष्कर बांध पहुंचा और नहाने के उद्देश्य से बांध के किनारे कपड़े एवं चप्पल उतारकर पानी में उतर गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुरेश सिंह धुर्वे ने बांध की पटरी से गहरे हिस्से की ओर कूदा, वहां मौजूद लोगों ने उसे मना भी किया, लेकिन उसने उनकी बात अनसुनी कर पानी में छलांग लगा दी। कुछ देर बाद जब वह पानी से बाहर नहीं निकला तो आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए बचाव का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर वह डूबा, वहां पानी की गहराई लगभग 35 से 40 फीट है। अत्यधिक गहराई होने के कारण स्थानीय तैराकों एवं गोताखोरों ने अंदर जाने से मना कर दिया। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और मुख्यालय से एसडीआरएफ के गोताखोरों को बुलाया गया था।

मेट्रो बस की टक्कर से महिला की मौत, दो घायल

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर के गढ़ा थाना क्षेत्र स्थित कछपुरा ओवरब्रिज पर शुक्रवार दोपहर एक तेज रफ्तार मेट्रो बस की टक्कर से बाइक सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी और दामाद घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार यादव कॉलोनी निवासी 42 वर्षीय कविता पटेल अपनी बेटी और दामाद के साथ बाइक से गढ़ा की ओर जा रही थीं। दोपहर के समय जब उनकी बाइक कछपुरा ब्रिज की ढलान से नीचे उतर रही थी, तभी सामने से आ रही मेट्रो बस के चालक ने अचानक लापरवाहीपूर्वक यू-टर्न ले लिया। इससे बाइक सीधे बस की चपेट में आ गई। हादसे में कविता पटेल बस के पहिए में फंसकर कुछ दूर तक घिसटती चली गईं, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं उनकी बेटी और दामाद घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा बेहद भयावह था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद चंबल में रेत माफिया पर शिकंजा

भोपाल/ग्वालियर। मध्य प्रदेश के चंबल अंचल में अवैध रेत उत्खनन और उसके परिवहन को लेकर अब प्रदेश सरकार पूरी तरह सख्त नजर आ रही है। उच्चतम न्यायालय की तीखी टिप्पणियों और हालिया सुनवाई के बाद परिवहन विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक में हलचल तेज हो गई है।

सरकार ने भिंड, मुरैना और श्योपुर जिलों में परिवहन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए कई गंभीर खामियों को चिन्हित किया है। परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने शुक्रवार को इस संबंध में परिवहन आयुक्त उमेश जोगा को पत्र लिखकर स्पष्ट रूप से नाराजगी जताई है।

पत्र में कहा गया है कि जिन मामलों में नियमों के तहत वाहनों की जब्ती और राजसात की कार्रवाई होना चाहिए थी, वहां केवल शमन शुल्क लेकर वाहनों को छोड़ दिया गया। इसे नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही माना गया है। दरअसल, गत 20 से 26 मई के बीच चंबल संभाग के जिलों में हुई कार्रवाई का ब्यौरा सामने आने के बाद विभागीय

परिवहन सचिव ने दिखावटी कार्रवाई पर मांगी रिपोर्ट

स्तर पर सवाल उठे हैं। श्योपुर जिले में बिना नंबर प्लेट के संचालित 11 वाहनों पर कार्रवाई की गई, लेकिन इनमें से केवल एक जेसीबी मशीन को जब्त किया गया। बाकी वाहनों को सिर्फ जुमार्ना वसूलकर छोड़ दिया गया। अधिकारियों का यह रवैया अब जांच के घेरे में आ गया है। मुरैना जिले में स्थिति और अधिक गंभीर बताई जा रही है। यहां बिना नंबर प्लेट चल रहे 12 ट्रैक्टरों और 54 मालवाहक वाहनों पर मोटरयान अधिनियम की धाराओं के तहत केवल शमन शुल्क लगाया गया। विभागीय समीक्षा में पाया गया कि इन वाहनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए थी। रिपोर्ट में दो ट्रैक्टर जब्त करने का उल्लेख जरूर किया गया, लेकिन उनका पूरा रिकॉर्ड और विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया, जिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

भिंड जिले की कार्रवाई भी संतोषजनक नहीं मानी गई। यहां बिना नंबर प्लेट के चल रहे 28 वाहनों, जिनमें अधिकतर ट्रक शामिल थे, पर मामूली जुमार्ना लगाकर छोड़ दिया गया। कई मामलों में केवल 500 रुपये का शमन शुल्क लेकर कार्रवाई पूरी कर दी गई। प्रमुख सचिव ने इसे बेहद गंभीर मामला बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने अवैध खनिज परिवहन पर सख्ती शुरू कर दी है। शासन ने स्पष्ट आदेश जारी किए हैं कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले, फर्जी नंबर प्लेट का उपयोग करने वाले, छेड़छाड़ किए गए नंबर प्लेट वाले अथवा बिना नंबर प्लेट संचालित सभी ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर, लोडर और उत्खनन मशीनों को तत्काल रोका जाए। ऐसे वाहनों को जब्त कर राजसात करने की प्रक्रिया भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया है। खनिज परिवहन मार्गों और संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रतिदिन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों और चालकों की सूची जिला प्रशासन तथा पुलिस विभाग को उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि संयुक्त कार्रवाई की जा सके।

चंबल क्षेत्र में निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए उप परिवहन आयुक्त किरण शर्मा की तैनाती मुख्यालय स्तर पर की गई है। वहीं परिवहन आयुक्त को स्वयं क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश जारी हुए हैं। मुरैना और आसपास के क्षेत्रों में कई जगहों पर अवैध रूप से जमा रेत के भंडार नष्ट किए गए हैं। बिना नंबर प्लेट या संदिग्ध दस्तावेजों वाले वाहनों को रोककर जांच की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन कराया जाएगा और अवैध उत्खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सरेराह चाकूबाजी के बाद युवक के पैर में मारी गोली

जबलपुर। गोहलपुर थाना क्षेत्र में एक इंस्टाग्राम पोस्ट के विवाद में दो गुटों के बीच जमकर चाकू चले और सरेराह पिस्टल से फायरिंग कर दी गई। इस हमले में युवक गोली लगने से घायल हो गया है।पुलिस के मुताबिक दमोहनाका निवासी 18 वर्षीय अमन उर्फ अम्बर श्रीवास के दोस्त रितिक ठाकुर का आदि दीक्षित नाम के युवक से पुराना मनमुटाव चल रहा था। 26 मई को आदि दीक्षित का जन्मदिन था। रितिक ने पुरानी रंजिश के चलते अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुराना वीडियो पोस्ट कर दिया, जिसमें आदि की पिटाई हो रही थी। रितिक ने इस पोस्ट पर हैप्पी बर्थडे छोटे लिखा और अपने दोस्त अमन को मेंशन कर दिया। जब आदि दीक्षित ने यह पोस्ट देखी, तो वह भड़क गया। अगले दिन 27 मई को आदि अपने साथियों के साथ अमन को उसके मोहल्ले में ढूंढने लगा। जब अमन को इसकी जानकारी मिली, तो उसने शाम को आदि को फोन किया। फोन उठाते ही आदि दीक्षित ने गालियां देना और जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। उस शाम दोनों के बीच करीब 8 बार फोन पर बात हुई और आदि लगातार धमकियां देता रहा।

गुरुवार को आदि दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर अमन को मैसेज कर कॉल करने को कहा। अमन ने जब कॉल किया, तो आदि ने उसे डरपोक कहते हुए चुनौती दी कि तू डर गया है, तेरे मोहल्ले आया तो तू छुप गया। इसके बाद दोनों पक्षों में रात को समझौता करने के लिए दमोहनाका मिलने की बात तय हुई। रात करीब 10:30 बजे अमन अपने दोस्त रितिक ठाकुर और अंश सिंह ठाकुर के साथ छोटे फुहारा में अतुल मेडिकल के सामने खड़ा था। तभी आदि दीक्षित, पीयूष सोनी, हर्ष कोष्टा और अन्य लड़के मोपेड व स्कूटी से वहां पहुंच गए।

दोनों पक्षों में समझौते को लेकर बातचीत चल ही रही थी कि अचानक आदि दीक्षित ने रितिक को थप्पड़ मार दिया। बीच-बचाव के दौरान आरोपी हर्ष कोष्टा ने चाकू निकाल लिया। अमन और रितिक ने मिलकर हर्ष से चाकू छीन लिया। इसी बीच अमन की मां को किसी ने झगड़े की सूचना दे दी, तो वह भी मौके पर पहुंच गईं। मां को देखकर अमन ने चाकू जमीन पर फेंक दिया, जिसे हर्ष ने दोबारा उठा लिया। इसी दौरान आदि दीक्षित ने अपनी स्कूटी की डिग्गी खोली और पिस्टल निकाल ली। उसने पहले हवा में एक हवाई फायर किया। इसके बाद उसने अमन पर निशाना साधकर फायर किया, लेकिन पहली बार में गोली नहीं चली। आदि ने तुरंत दोबारा ट्रिगर दबाया, जिससे निकली गोली अमन के बाएं पैर के टखने के पास जा लगी।

घर में घुसकर जेवरात, नकदी ले गया चोर

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत चंद्रमोहन नगर वंशकार मोहल्ला में चोर ने सोने चांदी के जेवरात, नकदी पार कर दी। पुलिस के मुताबिक नीलम साकेत 27 वर्ष निवासी चंद्रमोहन नगर वंशकार मोहल्ला के सामने ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात वह अपने परिवार के साथ आंगन में सो गई थी कमरे का दरवाजा खुला था, जब उसके पति ने आलमारी में रखे मोबाइल को चार्ज करने के लिये आलमारी खोलकर देखे तो मोबाइल नहीं थे.

आलमारी का लॉकर खुला था लाकर में रखे सोने की बेंदी, एक जोड़ी टाप्स, 1 अंगूठी, मंगलसूत्र, लाकेट, सोने का एक छोटा लाकेट, चांदी का कमरबंध, पायल, 3 अंगूठी, बच्चे का चांदी का कमरबंध, बच्चे की एक जोड़ी पायल, बच्चे की एक जोड़ी छड, 12 छोटे लाकेट, नहीं थे मोबाइल पर कॉल करने पर दोनों मोबाइल बंद आ रहे हैं। अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है लावा कम्पनी के मोबाइल के कवर में उसके पति के एक्टिवा क्रमांक एमच एच 04 एल एल 2551 की मुम्बई में थाणे रेल्वे स्टेशन के पार्किंग की स्लिप भी थी।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटी, 4 की मौत, 40 घायल

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर तिवनी गांव के पास शुक्रवार शाम एक बड़े सड़क हादसे में ।एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से नीचे गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 लोग घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।मामला जिले के थाना करणपठार के सरई चौकी का हैं।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने बताया कि अनूपपुर जिले के गिंजरी गांव के ग्रामीण परिवारों के साथ तिवनी जंगल में पूजा करने आए थे। शाम को लौटते समय पुलिया पर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद ट्रॉली में सवार ग्रामीण करीब 10 फीट नीचे जा गिरे। ट्रॉली में कुल 50 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही उमरिया

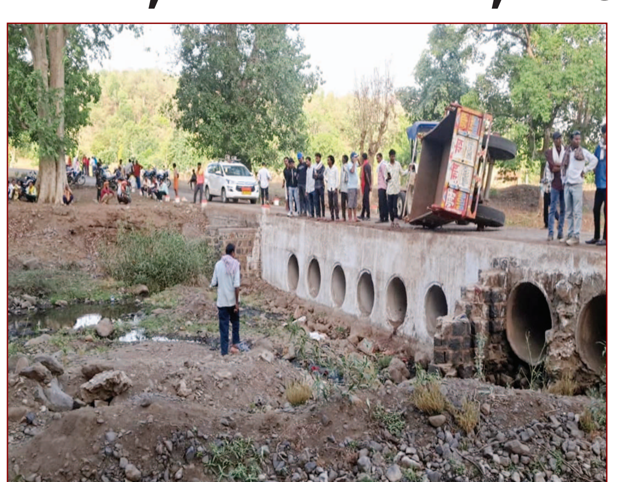

जिले के पाली थाना पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को पाली अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में 22 पुरुष, 14 महिलाएं और 5 बच्चे घायल बताए गए हैं। अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल रहा और बड़ी संख्या में परिजन पहुंच गए। जानकारी अनुसार चार मृतकों में दो की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में सभी अनूपपुर जिले के निवासी हैं। जिसमे 45 वर्षीय घनश्याम सिंह, 50 वर्षीय भूपत सिंह निवासी पढमनिया, 55 वर्षीय सहबल बैगा पुत्र गल्ली राम एवं 60 वर्षीय बीर सिंह निवासी गिजरी की पहचान हुई है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। शुरूआती तौर पर तेज रफ्तार या चालक के नियंत्रण खोने की आशंका जताई जा रही है।

जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिले जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत दमहेड़ी के ग्राम सिवनीसंगम में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी सहित सभी प्रमुख विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जहां बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित 64 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश आवेदनों का मैदानी अधिकारियों द्वारा मुस्तैदी से मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को तुरंत राहत प्रदान की गई। शेष बचे आवेदनों के लिए कलेक्टर ने समय-सीमा निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनहितकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ हर पात्र ग्रामीण तक पहुँचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त सभी समस्याओं का विधिवत पंजीकरण रजिस्टर में किया जाए और उनका समयबद्ध निराकरण हो। मौके पर ही कलेक्टर ने विभागवार समीक्षा करते हुए राजस्व विभाग को फौती नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। खाद्य विभाग को राशन वितरण एवं उज्ज्वला योजना से संबंधित मामलों को तुरंत सुलझाएं।

9 से 13 जून तक होगा अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स कृषि सम्मेलन, तैयारियां जारी

अधिकारियों ने बसों में बैठकर लिया सम्मेलन की तैयारियों का जायजा

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में आगामी 9 से 13 जून तक कृषि विषय पर अंतरराष्ट्रीय महत्व का ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

इसी क्रम में शुक्रवार को इंदौर के कलेक्टर शिवम वर्मा और पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रम स्थलों, बैठक स्थलों तथा अतिथियों के आवागमन मार्ग का बसों में बैठकर निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों ने एयरपोर्ट से लेकर अतिथियों के ठहरने के स्थानों तथा आयोजन स्थलों तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि मेहमानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही मालवा की सांस्कृतिक गरिमा और पारंपरिक आतिथ्य के अनुरूप उनका स्वागत-सत्कार सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट से मेरियट होटल

और शैरेटन ग्रेंड पैलेस तक के मार्ग का बसों के माध्यम से भ्रमण किया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाडे, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, एमपीआईडीसी के कार्यकारी अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार व रोशन राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि अधिकारियों की ब्रीफिंग, दायित्व निर्धारण और समन्वय संबंधी कार्य लगातार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से लेकर बैठक स्थलों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के ठहरने वाले स्थानों तक पूरे रूट प्लान का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया है। प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इंदौर और भारत के लिए गौरव का अवसर है। इसलिए प्रशासन पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है ताकि आयोजन में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंदौर पूर्व की तरह इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का भी सफलतापूर्वक संचालन करेगा। कलेक्टर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश में कृषि वर्ष मनाया जा रहा है। इसी के तहत सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। ढक्कन वाला कुआं स्थित हाट बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर कृषि आधारित प्रदर्शनियां एवं स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को प्रदेश के कृषि विकास मॉडल और नवाचारों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के वाहन पूलिंग और ईंधन बचत के संदेश को भी व्यवहार में उतारा। अधिकारियों ने बसों के माध्यम से संयुक्त रूप से भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि इससे ईंधन की बचत के साथ-साथ समन्वित निरीक्षण भी संभव हुआ और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

उन्होंने कहा कि इंदौर का यह सम्मेलन मध्य प्रदेश सहित भारत और पूरी दुनिया के कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन न केवल वैश्विक खाद्य सुरक्षा, कृषि व्यापार, जलवायु परिवर्तन और किसान कल्याण जैसे मुद्दों पर नई दिशा देगा, बल्कि इंदौर को अंतरराष्ट्रीय कृषि संवाद के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। कलेक्टर ने बताया कि यह पूरे देश के लिए गौरव का विषय है कि इस बार ब्रिक्स सम्मेलन 2026 भारत में हो रहा है और कृषि मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक के लिए मध्य प्रदेश के इंदौर का चयन किया गया है। आगामी 9 से 11 जून 2026 तक इंदौर में ब्रिक्स कृषि कार्य समूह (एडब्ल्यूजी) की बैठक होगी, जबकि 12 और 13 जून 2026 को सदस्य देशों के कृषि मंत्री यहां एकत्रित होकर कृषि और खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। इंदौर में होने वाली बैठक में वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण, जलवायु स्मार्ट कृषि, कृषि व्यापार को आसान बनाने, किसान कल्याण, आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान, ज्ञान साझेदारी, डिजिटल कृषि, प्रिसिजन फार्मिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और नवाचार जैसे विषयों पर गंभीर मंथन होगा।

मप्र एसटीएफ ने राजधानी में नशीले कफ सिरप फैक्टरी का किया भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने किराए के मकान में संचालित नशीले कफ सिरप फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मामले में तीन नाबालिगों सहित कुल 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कफ सिरप, पैकेजिंग सामग्री और मशीनें जब्त की गईं।

जब्त माल की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है।मप्र एसटीएफ के उप पुलिस महानिरीक्षक राहुल लोढ़ा ने शुक्रवार शाम को पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधीनगर स्थित डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी के एक मकान में पिछले कई महीनों से अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की पैकिंग और सप्लाई की जा रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर एसटीएफ ने गुरुवार देर रात दबिश देकर कार्रवाई की। कार्रवाई देर रात 12 बजे शुरू हुई और तड़के सुबह 3 बजे तक चली। जांच के दौरान मकान के दो कमरों से करीब 50 हजार कफ सिरप की बोतलें, 700 से अधिक पेटियां तथा पैकेजिंग मशीनें बरामद की गईं। एसटीएफ के मुताबिक एक सिरप की कीमत करीब 200 रुपये है। जब्त माल की कुल कीमत डेढ़ करोड़ रुपये है।इस दौरान मौके से फैक्टरी में काम करने वाले 10 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किये गए आरोपितों में आकाश भाटी निवासी श्यामपुर जिला सीहोर, चन्द्रपाल मुखिया निवासी इछावर जिला सीहोर, धानसिंह निवासी कुरावर जिला राजगढ़, अकील खान निवासी परवलिया जिला भोपाल, हरिओम मोगिया निवासी इछावर जिला सीहोर, नरेश भाटी निवासी श्यामपुर जिला सीहोर और अजय मोगिया निवासी खेरी जिला राजगढ़ सहित तीन नाबालिग किशोर के नाम शामिल हैं। इसके अलावा अर्जुन मालवीय, नवीन साहू और एक अन्य को भी मामले में नामदज आरोपित बनाया गया है। फिलहाल तीनों पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित असली दवा के रैपर और स्टिकर हटाकर नए लेबल लगाकर सिरप को बाजार में सप्लाई करते थे।

कई बोतलों से समाप्ति तिथि और बैच नंबर भी बदले जाने की आशंका जताई जा रही है।उप पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि उनके द्वारा ऑनरैक्स और ऑफ कफ नामक नशीला कफ सीरप के कार्टन मंगवाकर मशीन में उनकी अवैध रूप से पैकिंग कर बैंच नंबर और एक्सपायरी डेट हटाकर उनका व्यापक स्तर पर विक्रय किया जाता था। उन्होंने बताया कि बरामद कफ सिरप का उपयोग नशे के रूप में किया जाता है और इसे बिना वैध अनुमति के बेचा या खरीदा नहीं जा सकता। सिरप में इस्तेमाल होने वाला पदार्थ अफीम आधारित कोरेन से तैयार होता है, जिसका उपयोग नशे के लिए किया जाता है।

एसटीएफ अब इस पूरे चेन सिस्टम को ट्रेस करने में जुटी है ताकि सप्लायर, मेडिकल संचालक और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। मामले में दवा कंपनी ऑन रैक्स से भी संपर्क करने की तैयारी की जा रही है।एसटीएफ ने मौके से नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद मिलावट और प्रतिबंधित तत्वों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि अवैध सिरप की सप्लाई भोपाल के अलावा साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों, विदिशा, ग्वालियर और मालवा क्षेत्र सहित अन्य जिलों में भी की जा रही थी। एसटीएफ अब पूरे नेटवर्क, सप्लाई चेन और इससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

अधिकारियों के अनुसार यह संगठित अवैध कारोबार लंबे समय से संचालित किया जा रहा था। जिस मकान में फैक्टरी संचालित हो रही थी, वह जयदीप मालवीय नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है, जिसका किराया अर्जुन मालवीय और नवीन साहू के नाम पर बना हुआ पाया गया है। इसके साथ ही मामले में मकान मालिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ ने स्पष्ट किया है कि नशीले पदार्थों और अवैध दवा कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में कोर्ट ने सास गिरिबाला और पति समर्थ को पांच-पांच दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा

भोपाल। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने शुक्रवार को मृतका की सास (रिटायर्ड जज) गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को न्यायाधीश शोभना भलावे के समक्ष पेश किया। जहां अदालत ने सीबीआई की मांग पर दोनों को 5-5 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।दरअसल, सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी के वकीलों ने मामले की कड़ियों को जोड़ने और गहन पूछताछ के लिए दोनों आरोपितों की 5-5 दिन की रिमांड मांगी, जिस पर बचाव पक्ष के वकीलों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। अदालत ने दोनों की 5 दिन की सीबीआई रिमांड मंजूर कर ली है। समर्थ सिंह पहले से ही सीबीआई की हिरासत में था, जिसकी रिमांड अवधि अब 5 दिन और बढ़ा दी गई है। अदालत में पेशी से पहले समर्थ का जेपी अस्पताल और गिरिबाला सिंह का मैनिट परिसर में मेडिकल चेकअप कराया गया। शुक्रवार को अदालती कार्यवाही के दौरान दोनों आरोपितों को एक ही कटघरे में खड़ा किया गया, जहां मृतका के पिता की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा और गिरिबाला सिंह की तरफ से वरिष्ठ वकील नित्या मौजूद रहीं।

सीबीआई इस हाई-प्रोफाइल मामले की परतें खोलने के लिए अब देश की सबसे आधुनिक जांच पद्धतियों का इस्तेमाल कर रही है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, मामले को सुलझाने के लिए 'टनल व्यू इन्वेस्टिगेशन' तकनीक का सहारा लिया जा रहा है, जिसके तहत ट्विशा के जीवन के आखिरी घंटों का एक वर्चुअल रीक्रिएशन तैयार किया जा रहा है। जांच एजेंसी कैमरों के टाइमस्टैंप, मोबाइल फोन डेटा, वाई-फाई लॉग, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और टावर लोकेशन का मिलान कर एक सिम्युलेटेड वर्चुअल वॉकथ्रू और ट्विशा का 'डिजिटल अवतार' तैयार कर रही है। इसके जरिए तीन मंजिला मकान के भीतर ट्विशा की आखिरी लोकेशन, कमरों में आरोपियों की आवाजाही और इंटरनेट उपयोग के समय का मिनट-टू-मिनट मिलान किया जाएगा, ताकि बयानों के विरोधाभास और समय के रहस्मयी गैप को पकड़ा जा सके।

मप्र के रतलाम में गाय का कटा सिर मिलने के मामले में दंपति सहित तीन गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम शहर में गत दिवस मिले गाय के कटे सिर के मामले में हिन्दू संगठनों के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने देर रात तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही कटे सिर और गौवंश के अवशेषों को भी जांच के लिए सागर लैब भेज दिया गया है। रतलाम के राजीव गांधी सिविक सेंटर परिसर में गुरुवार को गाय का कटा सिर मिलने के बाद शहर में तनाव की स्थिति हो गई थी।

हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया था। बड़ी संख्या में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने गाय के कटे सिर को लोकेंद्र टॉकिज चौराहे पर रखा चक्काजाम कर दिया था। दोपहर एक बजे से विरोध शुरू हुआ जो शाम करीब 6 बजे खत्म हुआ था। हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों का कहना था कि सिविक सेंटर के जिस क्षेत्र में गाय को काटा गया है, वहां पर लकड़ियों पर मांस टंगा हुआ था और कुछ पकाने के लिए हांडी में रखा था।

पास में ही गाय का कटा सिर था। चूंकि क्षेत्र नगर निगम से जुड़ा है तो उनके अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है। गुरुवार को सात दिन में जांच कर कार्रवाई के आश्वासन के बाद हिंदू संगठन माने और चक्काजाम खत्म किया था। इसके बाद देर रात बजरंग दल के कुंदन गवली ने कार्यकताओं के साथ स्टेशन रोड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने रिपोर्ट में बताया कि गाय के सिर काटने की सूचना पर हम साथियों के साथ सिविक सेंटर स्थित पानी की टंकी के पास पहुंचे। साठियों की अवैध झोपड़ियों के पास गौ माता का सिर कटा हुआ मिला है। झोपड़ी में देखा तो एक व्यक्ति व दो महिलाएं चाकू से मांस के टुकड़े कर रही थीं। झोपड़ी में बांस की लकड़ियों पर कुछ मांस के टुकड़े टांग रखे थे। पकाने के लिए मांस हांडी में रख रखा था।

बड़े तालाब में युवती ने लगाई छलांग, गोताखोरों ने सुरक्षित निकाला, दोस्तों के साथ आई थी घूमने

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के वीआईपी रोड स्थित बड़े तालाब में शुक्रवार सुबह एक युवती ने अचानक छलांग लगा दी। तालाब में युवती को कूदता देख वहां मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद नगर निगम और फायर ब्रिगेड के गोताखोरों की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और उसे बचा लिया।

तलैया थाना प्रभारी दीपक डहरिया से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवती की पहचान मनीषा के रूप में हुई है, जो भोपाल के बैरागढ़ क्षेत्र की रहने वाली है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ समय से कुछ पारिवारिक दिक्कतों के कारण मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। मनीषा सुबह अपने दो दोस्तों के साथ वीआईपी रोड पर टहलने के लिए आई थी। चश्मदीदों और दोस्तों के मुताबिक, वह वहां किसी को लगातार फोन लगाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन दूसरी तरफ से फोन नहीं उठ रहा था या बात नहीं हो पा रही थी। संपर्क न हो पाने के कारण वह अचानक बेहद तनाव में आ गई और उसने आव देखा न ताव, सीधे तालाब के गहरे पानी में छलांग लगा दी।घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड के गोताखोरों मोहम्मद इमरान, शेख आसिफ और आमिर की टीम ने बिना वक्त गंवाए पानी में छलांग लगाई और युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गोताखोरों ने युवती को तुरंत तलैया थाना पुलिस के सुपुर्द किया, जहां से पुलिस ने उसे इलाज और चिकित्सीय परीक्षण के लिए अस्पताल भिजवाया। तलैया थाना पुलिस ने मनीषा के साथ आए दोनों दोस्तों से घटनाक्रम की जानकारी ली है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि चूंकि युवती अभी अस्पताल में है और सदमे में है, इसलिए अभी तक उसका और उसके साथ मौजूद दोस्तों के विस्तृत व आधिकारिक बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री का प्रदेशवासियों से आह्वान, 'बढ़ती गर्मी में स्वास्थ्य का रखें ध्यान, पर्याप्त पानी पीते रहें'

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़ते हुए तापमान और अधिक गर्मी से होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रदेशवासियों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने और बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा है कि ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़े हुए तापमान और अधिक गर्मी देखते हुए सभी प्रदेशवासी अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। पर्याप्त पानी पिएं, बच्चों को हाइड्रेटेड रखें और बाहर निकलते समय पानी की बोतल अवश्य साथ रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवाभावी नागरिकों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करना मानवता की सच्ची सेवा है। हम सभी को इस दिशा में आगे आना चाहिए।

मप्र में आनंद उत्सवों से खुशी की लहर, सिवनी और देवास में सर्वाधिक कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद उत्सव 2026 में प्रदेश के जिलों ने उत्साह के साथ भागीदारी कर खुशी और सकारात्मकता का संदेश दिया। प्रदेशभर में ग्रामीण, नगरीय, विकासखंड और जिला स्तर पर हजारों कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को आनंद से जोड़ने का काम किया गया।जनसंपर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने शुक्रवार को बताया कि सिवनी जिले ने सभी स्तरों पर शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर पूरे प्रदेश में प्रेरणा पेश की। यहाँ ग्रामीण स्तर पर 147, नगरीय में 3, विकासखंड में 8 और जिला स्तर पर 53 कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुए। इसी तरह देवास जिले ने भी ग्रामीण स्तर पर 219 और नगरीय स्तर पर 77 कार्यक्रम आयोजित कर शत-प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की।

बालाघाट, टीकमगढ़ और श्योपुर का बेहतर प्रदर्शन बालाघाट जिले में नगरीय स्तर पर सभी 16 कार्यक्रम पूरे हुए। टीकमगढ़ ने ग्रामीण स्तर पर 136 और नगरीय स्तर पर 25 कार्यक्रम आयोजित कर लक्ष्य हासिल किया। श्योपुर जिले में भी नगरीय स्तर पर 12 के 12 कार्यक्रम संपन्न हुए, जिससे स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल रहा।छिंदवाड़ा, ग्वालियर, उमरिया और शाजापुर जैसे जिलों में सभी विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित हुए। खरगौन जिले ने 8 में से 7 विकासखंडों में कार्यक्रम कर बेहतर भागीदारी दिखाई। जिला स्तर पर प्रदेश में 63 में से 56 कार्यक्रम पूरे हुए, जो 89 प्रतिशत उपलब्धि दशार्ता है। राज्य आनंद संस्थान के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 4717 ग्रामीण, 458 नगरीय, 74 विकासखंड और 56 जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुए। अल्पविराम, आनंद शिविर और आनंद क्लब जैसी गतिविधियों ने लोगों को आपस में जोड़कर जीवन में सकारात्मकता बढ़ाने का काम किया।

एनएसयूआई आज करेगी सीएम हाउस घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, पेपर लीक और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर 30 मई, शनिवार को मुख्यमंत्री निवास घेराव का ऐलान किया है। संगठन के अनुसार यह प्रदर्शन शाम 4 बजे भोपाल में आयोजित किया जाएगा। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने शुक्रवार को भोपाल स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी इस आंदोलन में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचेंगे।

उन्होंने दावा किया कि प्रदेशभर से 5 से 7 हजार छात्र इस प्रदर्शन में भाग लेंगे, जिनमें बड़ी संख्या नीट परीक्षा से प्रभावित विद्यार्थियों की होगी। चौकसे ने कहा कि यह आंदोलन छात्रों के भविष्य और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर किया जा रहा है। संगठन की प्रमुख मांगों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, मध्यप्रदेश में छात्र संघ चुनावों की बहाली तथा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विखंडन पर रोक शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा संबंधी विवाद छात्रों में मानसिक तनाव बढ़ा रहे हैं। साथ ही उन्होंने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

एनएसयूआई ने कहा कि छात्रों की मेहनत और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था जरूरी है। संगठन ने छात्रों के मुद्दों को लेकर आगे भी आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंत्री कृष्णा गौर ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद, जनसमस्याओं के निराकरण के लिए दिए निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकताओं एवं आमजनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं की समस्याएं और सुझाव गंभीरता से सुने तथा कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया।मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि जनसमस्याओं का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निराकरण सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। कार्यकताओं से चर्चा के दौरान उन्होंने उनकी कठिनाइयों को समझते हुए भरोसा दिलाया कि प्रत्येक समस्या के निराकरण के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकताओं एवं आमजनों ने मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं और त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

भोपाल निगम की सख्त कार्रवाई, नालों और सड़कों से हटाए अतिक्रमण

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर बड़ी संख्या में अवैध कब्जे हटाए। निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शिकायतों के निराकरण और नियमित अभियान के तहत ठेले, गुमठियां, पान पार्लर, काउंटर, सब्जी दुकानें तथा दुकानों के बाहर रखा सामान हटाकर जब्त किया। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर शुक्रवार को निगम अमले ने नेहरू नगर, पलकमति परिसर, जवाहर चौक, शाहपुरा मनीषा मार्केट, बिट्टन मार्केट, रोहित नगर, बावड़िया कला, अयोध्या बायपास, जहांगीराबाद, हमीदिया रोड, रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-6, सिंधी कॉलोनी चौराहा, बैरागढ़ सीटीओ रोड, आशाराम तिराहा, गांधी नगर बस स्टॉप और सब्जी मंडी सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान रोहित नगर सर्विस रोड पर अवैध रूप से बना बांस-बल्लियों का टपरा तोड़ा गया। वहीं विभिन्न स्थानों से दो ठेले, दो गुमठियां, तीन तख्त और छह कैरेट जब्त किए गए। निगम टीम ने सड़क और फुटपाथ पर फैले सामान को हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने का प्रयास किया।

मप्र के 'बंगला पान' की महक पड़ोसी देशों तक किसानों की आय का बनी मजबूत आधार

पान की खेती को प्रोत्साहित करने 10 जिलों के लिये बनी विशेष कार्य योजना

भोपाल। मध्य प्रदेश का पान अपनी विशिष्ट सुगंध, कोमलता और स्वाद के कारण देश ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। प्रदेश के छतरपुर, रीवा, मंदसौर, नरसिंहपुर और टीकमगढ़ जैसे जिलों में पान की खेती वर्षों से की जा रही है, जो आज किसानों की आय का एक मजबूत आधार बनती जा रही है। विशेष रूप से छतरपुर का ह्लबंगला पानह्व अपनी गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है, जिसकी मांग पड़ोसी देशों- पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका तक फैली हुई है।जनसंपर्क अधिकारी अनिल वशिष्ठ ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में किसान कल्याण के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पान की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष कार्य योजना लागू की गई है, जिसके तहत 10 जिलों को शामिल करते हुए 1 करोड़ 3 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना में किसानों को प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक, उन्नत किस्मों की रोपाई सामग्री और बरोज निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि छतरपुर में उगाया जाने वाला बंगला पान अपनी पतली बनावट, हल्की मिठास और लंबे समय तक ताजगी बनाए रखने की क्षमता के कारण निर्यात के लिए उपयुक्त माना जाता है। यही वजह है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

दूसरी ओर रीवा जिले के महसांव क्षेत्र के 2 गांवों में उत्पादित पान की पहचान भी विशेष है। यहां का पान उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ तक बड़े पैमाने पर भेजा जाता है, वहां इसे अत्यंत पसंद किया जाता है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में पान की खेती मुख्यतः चौरसिया समाज द्वारा परंपरागत रूप से की जाती रही है। यह समाज पीढ़ियों से इस व्यवसाय से जुड़ा है और अपने अनुभव और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर उच्च गुणवत्ता का पान तैयार करता है। पान की खेती में ह्लबरोजह्व नामक संरक्षित ढांचे का उपयोग किया जाता है, जिसमें तापमान और नमी को नियंत्रित कर पौधों की विशेष देखभाल की जाती है। यह प्रक्रिया श्रमसाध्य होती है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप उत्कृष्ट गुणवत्ता का पान प्राप्त होता है। वर्तमान समय में पान उत्पादकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से पान मसाला और गुटखा जैसे उत्पादों के बढ़ते प्रचलन ने पारंपरिक पान की मांग को प्रभावित किया है। युवा पीढ़ी में इन उत्पादों की ओर झुकाव बढ़ने से पान की खपत में कुछ कमी आई है, जिससे किसानों की आय पर भी असर पड़ा है। इसके बावजूद, पारंपरिक पान की सांस्कृतिक और धार्मिक उपयोगिता आज भी बनी हुई है, जो इसकी स्थिर मांग को बनाए रखती है। पान का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है। यह न केवल स्वाद और ताजगी का प्रतीक है, बल्कि पूजा-पाठ, विवाह समारोह और अतिथि सत्कार में भी इसका महत्वपूर्ण उपयोग होता है।

मप्र ने गेहूं उपार्जन में बनाया नया रिकॉर्ड, किसानों से अब तक 1.4 करोड़ मीट्रिक टन हुई गेहूं खरीदी

24 हजार करोड़ रुपये का किसानों को किया जा चुका है भुगतान

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उपार्जन में सभी लक्ष्य हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड बना है। प्रदेश में किसानों से अब तक रिकॉर्ड 1.4 करोड़ मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को 2585 रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य और प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनस का लाभ दिया है। किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का भुगतान किया। अब तक किसानों को गेहूं उपार्जन की 24 हजार करोड़ राशि दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में वीडियो संदेश के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदने के लिए किसानों की संख्या के मामले में मध्य प्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। प्रदेश में इस वर्ष गेहूं की पैदावार बढ़ी है। देश में सर्वाधिक गेहूं उत्पादन वाले राज्यों में पंजाब के बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। मध्यप्रदेश सर्वाधिक लंबे समय तक गेहूं खरीद की व्यवस्था लागू करने वाला एकमात्र राज्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे और मध्यम श्रेणी के किसानों से पहले गेहूं खरीदा गया। यह व्यवस्था प्रदेश में पहली बार लागू की गई। छोटे किसानों से अब तक लगभग 32.72 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। इसके बाद बड़े किसानों को अपनी उपज बेचने का अवसर मिला। अब तक लगभग पौने 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कर लिया गया है। सरकारी खरीद के लिए पंजीयन कराने वाले सभी किसान भाई-बहनों का गेहूं गोदाम तक पहुंच चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति और विश्व में उत्पन्न विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है। इस कठिन दौर में भी रिकॉर्ड गेहूं खरीदी की गई है। राज्य सरकार किसानों के लिए अनेक जन हितैषी निर्णय ले रही है। अन्नदाता भाई-बहनों की बेहतरी के लिए राज्य सरकार ने यह पूरा वर्ष कृषक कल्याण को समर्पित किया है। प्रदेश का हर किसान समृद्ध और खुशहाल हो, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, फसल उत्पादन और फूड प्रोसेसिंग से किसानों की आय में वृद्धि हो, यह हमारी प्रतिबद्धता है।

एसटीएफ ने डेढ़ करोड़ का अवैध नशीला कफ सिरप किया जब्त, 10 हिरासत में

गांधीनगर की पॉश कॉलोनी में चल रही थी अवैध फैक्टरी 700 से ज्यादा पेटियां और पैकेजिंग मशीन बरामद

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांधीनगर इलाके में संचालित अवैध कफ सिरप फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। एसपी, एसटीएफ राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात गांधी नगर थाना क्षेत्र के डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी स्थित एक मकान पर मारी गई दबिश में करीब डेढ़ करोड़ रुपये कीमत का अवैध नशीला कफ सिरप बरामद किया है। इस कार्रवाई के दौरान एसटीएफ ने अब तक 10 लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई रात करीब 12 बजे शुरू हुई और तड़के सुबह 3 बजे तक लगातार चलती रही। अधिकारियों ने पूरी कार्रवाई को बेहद गोपनीय रखा, यहां तक कि स्थानीय गांधीनगर थाना पुलिस को भी इसकी भनक नहीं लगने दी गई। मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर टीम ने मकान को चारों तरफ से घेरकर तलाशी शुरू की गई थी।

उन्होंने बताया कि जिस मकान में अवैध कारोबार संचालित हो रहा था, वह किसी 'मालवीय' नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है। हालांकि कार्रवाई के बाद से मकान मालिक फरार है और एसटीएफ का उससे संपर्क नहीं हो सका है। हिरासत में लिए गए आरोपितों से पूछताछ के आधार पर अब पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश की जा रही है। आज शुक्रवार शाम चार बजे प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। तलाशी के दौरान मकान के दो अलग-अलग कमरों में भारी मात्रा में नशीले कफ सिरप के कार्टन, बोतलें और पैकेजिंग सामग्री मिली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यहां 'ऑफ कफ' नाम से अवैध कफ सिरप तैयार कर बाजार में सप्लाई की जा रही थी। एसटीएफ ने मौके से 700 से अधिक पेटियां अवैध कफ सिरप, बड़ी संख्या में खाली बोतलें, फर्जी लेबल और अत्याधुनिक पैकेजिंग मशीनें जब्त की हैं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि बरामद कफ सिरप को अवैध रूप से युवाओं और नशे के आदी लोगों तक पहुंचाया जाना था। एसटीएफ अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क के तार किन शहरों और लोगों से जुड़े हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि सिरप बनाने में इस्तेमाल केमिकल और रॉ मटेरियल कहां से मंगाया जा रहा था। एसटीएफ अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि पूछताछ आगे बढ़ने के साथ इस ड्रग सिंडिकेट से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं। मौके से बरामद कफ सिरप के सैंपल लैब जांच के लिए भेज दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद एनडीपीसी एक्ट और ड्रग्स से जुड़े अन्य प्रावधानों के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि मामले में जल्द ही कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। एसटीएफ की ओर से बताया गया है कि पूरे मामले का विस्तृत खुलासा आज शाम किया जाएगा। वहीं, आरोपितों की निशानदेही पर आगे भी कार्रवाई की जा रही है। एसटीएफ के अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि गांधीनगर क्षेत्र में एक मकान में अवैध नशीले सिरप की फैक्टरी संचालित हो रही है। देर रात इस मकान के बाहर बड़े वाहन आकर रुकते हैं और लोडिंग-अनलोडिंग की जाती है। इसके बाद मुखबिरों को सक्रिय किया गया। सूचना पुख्ता होने के बाद बीती देर रात कार्रवाई की गई है। एसटीएफ ने कार्रवाई को इतनी गोपनीयता से किया कि गांधी नगर थाना पुलिस को भनक तक नहीं लगने दी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार
शनिवार, 30 मई 2026
विक्रम संवत्– 2083, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी

गिरता रुपया!

वर्तमान समय में भारतीय रुपया एशियाई मुद्राओं में सबसे कमजोर साबित हो रहा है। 2026 में डॉलर के मुकाबले रुपया 95-96 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है, जबकि अन्य एशियाई मुद्राएं डालर मूल्य के सापेक्ष मजबूती दिखा रही हैं। चीनी युआन ने सकारात्मक रिटर्न दिया है, जापानी येन, कोरियाई वॉन, इंडोनेशियाई रुपिया आदि की तुलना में रुपए की गिरावट सबसे तेज रही है। यह स्थिति चिंताजनक है और आर्थिक नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों तथा संरचनात्मक कमजोरियों का परिणाम है। सबसे प्रमुख कारण तेल की बढ़ती कीमतें हैं। भारत अपनी 80% से अधिक कच्चे तेल की जरूरत आयात पर निर्भर है, मुख्यतः मध्य पूर्व से। ईरान-अमेरिका तनाव और पश्चिम एशिया संकट ने क्रूड ऑयल की कीमतों को आसमान छू लिया, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ा, चालू खाता घाटा चौड़ा हुआ और डॉलर की मांग बढ़ी। जब तेल महंगा होता है तो रुपए पर दबाव स्वाभाविक है। दूसरा बड़ा कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का पलायन है। 2026 में बाहरी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से अरबों डॉलर निकाले। वैश्विक अनिश्चितता, अमेरिकी फेड रिजर्व की नीतियां और भारतीय बाजारों में डालर सापेक्ष कमजोर रिटर्न ने निवेशकों को आकर्षित नहीं किया। परिणामस्वरूप डॉलर की मांग बढ़ी और रुपया दबाव में आया। अन्य एशियाई देशों जैसे चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया में निर्यात-उन्मुख विकास और बेहतर पूंजी प्रवाह ने उनकी मुद्राओं को सहारा दिया। संरचनात्मक समस्याएं भी कम महत्वपूर्ण नहीं। भारत का विनिर्माण निर्यात अभी भी कमजोर है। सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता ने मुद्रा को संवेदनशील बना दिया है। निजी निवेश सकल उत्पाद का मात्र 8-10% रह गया है। मुद्रा नीति में रिजर्व बैंक आफ इंडिया का हस्तक्षेप (डॉलर बिक्री) विदेशी मुद्रा भंडार को घटा रहा है, जो अल्पकालिक राहत देता है लेकिन दीर्घकालिक समाधान नहीं। अन्य एशियाई अर्थव्यवस्थाएं जैसे दक्षिण कोरिया, ताइवान और सिंगापुर प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और व्यापार अधिशेष पर मजबूत खड़ी हैं, जिससे उनकी मुद्राएं स्थिर रहती हैं। यहां तक की पाकिस्तान का रुपया भी अपनी जगह मंजबूती बनाये हुये है, इसमें वैश्विक कारक भी प्रभावी हैं। मजबूत अमेरिकी डॉलर इंडेक्स, भू-राजनीतिक जोखिम और वैश्विक जोखिम से बचाव की भावना ने उभरती बाजार मुद्राओं को नुकसान पहुंचाया, लेकिन भारत सबसे अधिक प्रभावित हुआ क्योंकि उसकी बाहरी संवेदनशीलता अधिक है। इस कमजोरी के परिणाम गंभीर दिखाई दे रहे हैं। आयात महंगा होने से मुद्रास्फीति बढ़ेगी, खासकर ईंधन और खाद्य पदार्थों में। उद्योगों की लागत बढ़ेगी, जिससे विकास प्रभावित होगा। हालांकि, निर्यातकों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर संतुलन नकारात्मक है। समाधान की दिशा भी अभी तक स्पष्ट नही दिख रही है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विनिर्माण नीतियों (पीएलआई स्कीम आदि) को तेजी से लागू करना चाहिए। बाहरी इनवस्टमेंट को और आकर्षित करने के लिए सुधार जरूरी हैं। चालू खाता घाटे को नियंत्रित करने हेतु तेल आयात पर निर्भरता कम कर नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें। आरबीआई को मुद्रा प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना होगा, न कि केवल हस्तक्षेप पर निर्भर रहना। रुपया एशिया की सबसे कमजोर मुद्रा बनकर भारत की आर्थिक मजबूती पर सवाल उठा रहा है। यह समय नीतिगत सुधारों और आत्मनिर्भरता का है। यदि हम संरचनात्मक कमजोरियों को दूर नहीं करते, तो भविष्य में ऐसी स्थिति बार-बार आएगी। मजबूत अर्थव्यवस्था ही मजबूत मुद्रा की गारंटी है। इसे नकारा नही जा सकता।

बैरिकेडिंग के शिकंजे में लखनऊ : आखिर कैसे बचाए पेट्रोल?

पियूष कुमार कश्यप

लखनऊ... यानी तहजीब का शहर, अदब का शहर, शाम-ए-अवध का शहर। वह शहर जहाँ कभी गलियों में सुकून टहलता था, जहाँ सफर दूरी से नहीं, अपनापन से मापा जाता था। लेकिन आज वही लखनऊ लोहे की बैरिकेडिंगों, अनगिनत डायवर्जनों और दम तोड़ती ट्रैफिक व्यवस्था के बीच कराहता दिखाई देता है।

ऐसा लगता है जैसे शहर की सड़कों पर विकास नहीं, अव्यवस्था का साम्राज्य खड़ा कर दिया गया हो। राजधानी की सड़कें अब रास्ते कम और परीक्षा केंद्र ज्यादा लगती हैं। हर मोड़ पर बैरिकेडिंग, हर चौराहे पर जाम, हर कुछ किलोमीटर पर रास्ता बंद। आम आदमी अपने ही शहर में ऐसा भटकता है जैसे कोई अजनबी रास्ता पूछ रहा हो। सवाल यह है कि आखिर यह शहर चल किसके लिए रहा है? जनता के लिए या केवल वीआईपी काफिलों और दिखावटी व्यवस्थाओं के लिए? प्रधानमंत्री देशवासियों से पेट्रोल बचाने की अपील करते हैं। छोटी दूरी पैदल तय करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और ईंधन बचाने की बात करते हैं। यह अपील सही भी है और जरूरी भी। लेकिन क्या कभी किसी ने लखनऊ की जमीन पर उतरकर देखा है कि यहाँ पेट्रोल बचाना अब आम आदमी के बस की बात ही नहीं रही? जिस रास्ते से कोई व्यक्ति पाँच मिनट में पहुँच सकता है, वहाँ बैरिकेडिंग खड़ी कर दी जाती है।

यू-टर्न बंद, कट बंद, रास्ते बंद। नतीजा यह कि जनता किलोमीटरों अतिरिक्त घूमने को मजबूर होती है। गाड़ियाँ रेंगती रहती हैं, इंजन चालू रहते हैं, पेट्रोल जलता रहता है और व्यवस्था वातानुकूलित कमरों में बैठकर 'ईंधन बचाओ' के भाषण देती रहती है।

यह कैसी विडंबना है? एक तरफ सरकार कहती है – पेट्रोल बचाइए। दूसरी तरफ सड़कें ऐसी बना दी गई हैं कि आदमी चाहे भी तो पेट्रोल नहीं बचा सकता। हजरतगंज से लेकर गोमतीनगर तक, चारबाग से लेकर अलीगंज तक, निशातगंज से कपूरथला तक और पुराने लखनऊ की गलियों से लेकर ट्रांसगोमती तक – हर तरफ एक ही कहानी दिखाई देती है। सड़कें वाहन से ज्यादा बैरिकेडिंगों से भरी हुई हैं। कहीं सुरक्षा के नाम पर रास्ता बंद, कहीं वीआईपी मूवमेंट के नाम पर जनता रोक दी गई, कहीं बिना किसी स्पष्ट कारण के लोहे के अवरोध खड़े कर दिए गए। कभी-कभी लगता है कि लखनऊ की सड़कें जनता के लिए नहीं, केवल नियंत्रण दिखाने के लिए बनाई गई हैं।

'राहों पर पहरे इतने हैं कि सफर अब सफर नहीं लगता, शहर साँस तो ले रहा है मगर ज़िंदा शहर नहीं लगता।'

सबसे बड़ी मार उस आम आदमी पर पड़ रही है जो रोज कमाकर अपना घर चलाता है। ई-रिक्शा चालक सुबह उम्मीद लेकर निकलता है कि दिनभर मेहनत करेगा तो बच्चों के लिए राशन ले जाएगा। लेकिन जाम और बैरिकेडिंग उसकी बैटरी भी खा जाती है और कमाई भी। पहले जहाँ एक चार्ज में पूरा दिन निकल जाता था, अब आधे दिन में चार्जिंग ढूँढनी पड़ती है।

ऊपर से ग्राहक पूछता है – 'इतना किराया क्यों?' क्या कोई अधिकारी कभी इन चालकों के पास बैठकर उनकी परेशानी सुनता है? क्या किसी योजना में उस गरीब आदमी की मजबूरी शामिल है जो हर दिन सड़कों पर अपनी जिंदगी घसीट रहा है? ऑटो चालक परेशान, टैक्सी चालक परेशान, डिलीवरी बॉय परेशान, मरीज परेशान, छात्र परेशान। लेकिन व्यवस्था के कानों पर जैसे कोई असर ही नहीं पड़ता। ऐसा लगता है कि राजधानी की सड़कें जनता की सुविधा के लिए नहीं बल्कि जनता के धैर्य की परीक्षा लेने के लिए छोड़ दी गई हैं। सबसे दुखद स्थिति तब होती है जब एंबुलेंस जाम में फँस जाती है। सायरन चीखता रहता है, मरीज जिंदगी और मौत के बीच झूलता रहता है और सड़क बैरिकेडिंगों में जकड़ी खड़ी रहती है। क्या यही स्मार्ट सिटी है? क्या यही आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन है?

'जब रास्तों पर लोहे का राज हो जाए,
तब इंसान की साँस भी कैद हो जाती है।
और जिस शहर में एंबुलेंस रुक जाए,
वहाँ विकास की बातें शर्मिंदा हो जाती हैं।'

सवाल यह भी है कि आखिर हर समस्या का समाधान बैरिकेडिंग ही क्यों है? यदि ट्रैफिक नियंत्रित करना है तो स्मार्ट सिग्नल कहाँ हैं? इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम कहाँ है? वैज्ञानिक ट्रैफिक प्लानिंग कहाँ है? करोड़ों रुपये खर्च कर स्मार्ट सिटी के बोर्ड लगा देने से शहर स्मार्ट नहीं हो जाता। शहर तब स्मार्ट होता है जब नागरिक बिना डर, बिना तनाव और बिना अनावश्यक रुकावट के अपने गंतव्य तक पहुँच सके। आज हालत यह है कि लखनऊ में घर से निकलने वाला व्यक्ति सबसे पहले यह सोचता है कि आज कौन-सा रास्ता बंद मिलेगा। लोग गूगल मैप नहीं, बैरिकेडिंग देखकर रास्ता तय करने लगे हैं। यह मजाक नहीं, बल्कि जनता की पीड़ा है। और यह पीड़ा केवल समय की नहीं है – यह आर्थिक नुकसान भी है। पेट्रोल महँगा है, डीजल महँगा है। एक मध्यमवर्गीय परिवार पहले ही महँगाई से जूझ रहा है। ऊपर से रोज का अतिरिक्त चक्कर उसकी जेब पर और बोझ डालता है। यदि कोई व्यक्ति रोज पाँच से दस किलोमीटर अतिरिक्त घूम रहा है, तो महीने भर में कितना अतिरिक्त ईंधन जल रहा होगा? क्या कभी इस नुकसान का कोई हिसाब लगाया गया?

सरकारें अक्सर कहती हैं कि देश का पैसा बचाइए। लेकिन सड़कों पर जलता यह अतिरिक्त पेट्रोल क्या देश का नुकसान नहीं है? जाम में खड़े हजारों वाहन क्या प्रदूषण नहीं बढ़ा रहे? घंटों इंजन चालू रखना क्या पर्यावरण के खिलाफ अपराध नहीं? विडंबना देखिए – एक तरफ प्रदूषण कम करने के लिए करोड़ों खर्च किए जाते हैं, दूसरी तरफ ट्रैफिक व्यवस्था ऐसी बना दी जाती है कि वाहन घंटों धुआँ उगलते रहें।

'धुएँ से भर गया है शहर का आसमान, और जिम्मेदार लोग कहते हैं – सब सामान्य है। जिस व्यवस्था को जनता का दर्द न दिखे, वह व्यवस्था नहीं, केवल अहंकार है।'

लखनऊ की पहचान कभी सुकून से होती थी। लेकिन आज सड़कों पर केवल हॉर्न का शोर सुनाई देता है। सुबह ऑफिस जाने वाला व्यक्ति रास्ते में ही मानसिक रूप से थक जाता है। घंटों जाम में फँसना अब केवल ट्रैफिक समस्या नहीं रही, यह मानसिक तनाव का कारण बन चुका है। डॉक्टर तक कह रहे हैं कि लगातार ट्रैफिक तनाव, चिड़चिड़ापन और ब्लड प्रेशर बढ़ा रहा है। लेकिन क्या इन समस्याओं पर कभी गंभीर चर्चा होती है? हर वीआईपी मूवमेंट पर सड़कें रोक देना आखिर कब तक चलेगा? लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि मानी जाती है, लेकिन सड़क पर खड़ा आम आदमी खुद को सबसे उपेक्षित महसूस करता है। धूप में खड़ा नागरिक सोचता है कि आखिर उसका समय इतना सस्ता क्यों है? विकास का अर्थ केवल फ्लाईओवर बनाना नहीं होता। विकास का अर्थ यह भी होता है कि नागरिक को राहत मिले, सुविधा मिले, सुकून मिले। यदि सड़कें चौड़ी होने के बाद भी सफर कठिन हो जाए, तो फिर उस विकास का लाभ किसे मिला? आज जरूरत है कि प्रशासन जनता की आवाज सुने। जहाँ आवश्यकता नहीं है वहाँ से अनावश्यक बैरिकेडिंग हटाई जाए। ट्रैफिक विशेषज्ञों की मदद ली जाए। फुटपाथ अतिक्रमण मुक्त किए जाएँ ताकि लोग पैदल चल सकें। साइकिल ट्रैक बनाए जाएँ। सार्वजनिक परिवहन मजबूत किया जाए। सबसे जरूरी – जनता को दुश्मन नहीं, नागरिक समझा जाए। लखनऊ केवल इमारतों का शहर नहीं है। यह उन लाखों सपनों का शहर है जो हर सुबह सड़कों पर निकलते हैं। कोई नौकरी के लिए निकलता है, कोई पढ़ाई के लिए, कोई इलाज के लिए और कोई दो वक्त की रोटी कमाने के लिए। लेकिन जब हर दिन उनका सामना अव्यवस्था से होता है, तब शहर की खूबसूरती भी फीकी लगने लगती है। 'शहर वही अच्छा होता है जहाँ रास्ते जोड़ते हों, तोड़ते नहीं। जहाँ सफर आसान हो, और आदमी घर लौटते वक्त थका नहीं, सुकून में हो।'

अब समय आ गया है कि सत्ता और व्यवस्था दोनों खुद से सवाल पूछें – क्या राजधानी की सड़कें जनता के लिए हैं या केवल दिखावे के लिए? क्या सुरक्षा के नाम पर नागरिकों का समय और ईंधन यूँ ही जलता रहेगा? क्या पेट्रोल बचाने की अपील केवल भाषणों तक सीमित रहेगी? क्योंकि सच यही है कि जब तक लखनऊ की सड़कें आम आदमी के अनुकूल नहीं होंगी, तब तक पेट्रोल भी जलता रहेगा, जनता भी जलती रहेगी और विकास के दावे भी ट्रैफिक के धुएँ में खोते रहेंगे।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आखिर आस्था से बड़ा राजस्व कब तक?

प्रकाश चंद्र शर्मा

राजस्थान समेत देशभर में मंदिर केवल पूजा-अर्चना की जगह नहीं, बल्कि समाज की आस्था, संस्कृति और नैतिक मूल्यों के केंद्र माने जाते हैं। सुबह की आरती, घंटियों की ध्वनि, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की भीड़ एक आध्यात्मिक वातावरण तैयार करती है। लेकिन सोचिए, उसी मंदिर के बाहर कुछ ही कदम की दूरी पर शराब का ठेका खुला हो... शराबियों की भीड़ हो... गाली-गलौज और हंगामा हो... तो क्या यह केवल एक 'व्यावसायिक गतिविधि' मानी जाएगी या फिर आस्था पर सीधा प्रहार? आज प्रदेश के कई शहरों और कस्बों में यही तस्वीर दिखाई दे रही है। मंदिरों की चौखट के पास शराब बिक रही है और प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। सवाल यह है कि आखिर सरकार की प्राथमिकता क्या है–जनभावनाएं या शराब से मिलने वाला राजस्व?

मंदिरों के बाहर शराबः श्रद्धालुओं के लिए अपमानजनक माहौल– मंदिरों में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा बड़ी संख्या में आते हैं। लेकिन जब मंदिर के बाहर शराब खरीदने वालों की भीड़ लगी हो, नशे में लोग अभद्र व्यवहार कर रहे हों, तो श्रद्धालुओं को असहजता ही नहीं, बल्कि अपमान महसूस होता है। कई महिलाओं ने शिकायत की है कि शाम की आरती या धार्मिक आयोजनों के दौरान मंदिर मार्ग पर शराबियों की वजह से डर और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। बच्चों पर इसका गलत असर पड़ना भी एक गंभीर सामाजिक चिंता है। जिस स्थान से संस्कार मिलने चाहिए, वहां अगर नशे का माहौल दिखाई दे, तो यह व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

नियम हैं... लेकिन सिर्फ कागजों में? आबकारी नियमों में धार्मिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास शराब की दुकानों को लेकर दूरी तय करने के प्रावधान जरूर हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। कहीं दूरी मुख्य द्वार से नापी जाती है, कहीं सड़क मार्ग से, तो कहीं नियमों की ऐसी व्याख्या कर दी जाती है कि ठेके मंदिर की दीवार से सटे होने के बावजूद 'वैध' घोषित कर दिए जाते हैं। यानी नियम कम, खेल ज्यादा दिखाई देता है। सबसे बड़ा सवाल यही है–अगर नियम मौजूद हैं, तो उनका पालन कौन करवाएगा?

विरोध होता है... फिर भी ठेके क्यों नहीं हटते? 1. सरकार के लिए 'कमाई का जरिया' शराब से सरकारों को हजारों करोड़ का राजस्व मिलता है। यही वजह है कि धार्मिक भावनाओं से ज्यादा फिक्र कमाई की दिखाई देती है। राजस्व बढ़ाने की होड़ में सामाजिक संवेदनशीलता पीछे छूटती जा रही है। 2. प्रशासनिक ढिलाई या मिलीभगत? स्थानीय लोगों और धार्मिक संगठनों का आरोप है कि कई मामलों में तकनीकी खामियों और प्रशासनिक ढिलाई का फायदा उठाकर ठेकों को बचा लिया जाता है। ज्ञापन दिए जाते हैं, विरोध प्रदर्शन होते हैं, लेकिन कार्रवाई अक्सर फाइलों तक सीमित रह जाती है। 3. कार्रवाई तभी, जब मामला उछले अक्सर तब तक कोई कदम नहीं उठाया जाता जब तक मामला मीडिया की सुर्खियों में न आ जाए या जनता सड़क पर न उतर आए। यानी प्रशासन स्वतः नहीं जागता, उसे जगाना पड़ता है। यह केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक मुद्दा भी हैः मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों के आसपास शराब के ठेके केवल धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करते, बल्कि सामाजिक माहौल भी बिगाड़ते हैं। महिलाओं की सुरक्षा, सार्वजनिक शालीनता और युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकारें एक तरफ धार्मिक पर्यटन और संस्कृति संरक्षण की बातें करती हैं, दूसरी तरफ धार्मिक स्थलों के आसपास शराब बिक्री की खुली छूट देती हैं। यह दोहरी नीति आखिर कब तक चलेगी?

अब केवल बहाने नहीं, सख्त नीति चाहिएः यदि सरकार वास्तव में धार्मिक स्थलों की गरिमा बनाए रखना चाहती है, तो उसे केवल बयान नहीं, ठोस फैसले लेने होंगे– सभी धार्मिक स्थलों से शराब ठेकों की न्यूनतम दूरी स्पष्ट और सख्ती से तय हो। जीपीएस आधारित सर्वे कर नियमों का पारदर्शी पालन सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय जनता और निकायों की सहमति के बिना नए ठेकों को अनुमति न मिले। शिकायत मिलने पर समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य हो। सबसे बड़ा सवाल... क्या सरकार के लिए आस्था की कोई कीमत है? क्या श्रद्धालुओं की भावनाएं शराब के राजस्व से छोटी हैं? क्या मंदिरों की पवित्रता अब सरकारी आय के आगे महत्व खो चुकी है? अगर सरकार वास्तव में संस्कृति, संस्कार और धार्मिक विरासत की बात करती है, तो उसे मंदिरों की चौखट से शराब के कारोबार को दूर करना ही होगा। वरना जनता यही मानेगी कि 'राजस्व' के आगे आस्था की कोई अहमियत नहीं है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

हाय कुर्सी क्या चीज है !

कृष्णेन्द्र राय

हम आपके बिन, रह नहीं पाते ।
आप कह दें तो, हम चले आते ।।
हाय कुर्सी क्या चीज,
बिन इसके ना...रह पाते ।।
उड़े खूशबू, ये रुत बदली ।
बीजेपी की बहार आई ।।
है अब तो यही मौका ।
झटपट न्यौता भिजवाए ।।
बीजेपी में आने को जी करता है ।
शामिल....हो जाने को
मन मचलता है ।
शामिल हो जाने को
मन मचलता है ।।

हिन्दी पत्रकारिता : ध्येय यात्रा के गौरवशाली 200 वर्ष

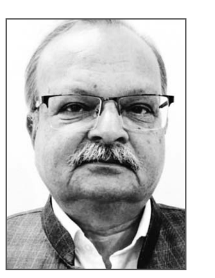

सर्वेश कुमार सिंह

हिंदी पत्रकारिता यात्रा के 200 वर्ष पूर्ण कर रही है। इस यात्रा में हिंदी पत्रकारिता ने न केवल खुद को नित नए आयाम के रूप में गढ़ा बल्कि दायित्व बोध को भी बगैर थके, बगैर रुके निभाया। भाषा,शैली, व्याकरण और साहित्य को इन 200 सालों में उन्नत किया। हिंदी पत्रकारिता ने स्वातंत्र्य पूर्व काल में ध्येयपूर्ण (मिशनरी) भाव से स्वाधीनता की अलख जगाई। समाज में सुधारवादी आंदोलनों के लिए जनजागरण किया। स्त्री शिक्षा, बाल विवाह जैसे मुद्दों पर राष्ट्रीय नेताओं की अपील को स्वर दिया।

स्वाधीन भारत में लोकतंत रक्षक की भूमिका में हिंदी पत्रकारिता सबसे आगे खड़ी हुई। तीस मई 1826 को जब पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कानपुर से कोलकाता जाकर पहला हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र 'उदंत मार्तंड' प्रकाशित किया, तो किसी को नहीं मालूम था कि एक दिन हिंदी पत्रकारिता भारत के जन-जन, गांव-गांव, शहर-कस्बों की आवाज बन जाएगी। सूचना और संवाद का ये माध्यम समाज सुधार से लेकर, जन समस्याओं के निराकरण का माध्यम और लोकतंत्र का प्रहरी बन जाएगा।

हिंदी पत्रकारिता को पुष्पित, पल्लवित करने में अनेक महान संपादकों और साहित्यकारों ने न केवल योगदान किया, बल्कि अपने जीवन को भी इस ध्येय के लिए समर्पित कर दिया। ये सफल विकास यात्रा शून्य से शिखर तक जिन संपादकों की मेधा और अथक परिश्रम से आज यश पा रही है, उनमें पंडित जुगल किशोर शुक्ल,भारतेंदु हरिश्चंद्र, दुर्गा प्रसाद मिश्र,बाबू राव विष्णु राव पराड़कर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, मुंशी प्रेमचंद्र, हनुमान प्रसाद पोद्दार, पंडित अटल बिहारी वाजपेयी, विद्यानिवास मिश्र, हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, धर्मवीर भारती, राजेंद्र अवस्थी,रघुवीर सहाय, राजेंद्र यादव, शिवपूजन सहाय, बनारसी दास चतुर्वेदी, महात्मा गांधी, पंडित मदन मोहन मालवीय, प्रताप नारायण मिश्रा, वचनेश त्रिपाठी का स्मरण समीचीन है।

हिंदी पत्रकारिता के उद्भव में जिन नगरों और महानगरों के प्रबुद्ध समाज, व्यवसायियों और राज घरानों का योगदान अग्रणी है, उनमें वाराणसी सबसे महत्वपूर्ण है। कोलकाता, आगरा, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, जबलपुर, मिजार्पुर , मेरठ, बरेली,मुरादाबाद से भी शुरूआती दौर में कई प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित हुई। उत्तर प्रदेश में पहला हिंदी दैनिक हिंदुस्तान प्रतापगढ़ जनपद की रियासत काला कांकर से 1885 में राजा रामपाल सिंह ने प्रकाशित किया था। इसके संपादक पंडित मदन मोहन मालवीय थे।

हिंदी के कुछ समाचारपत्र अल्प अवधि तक प्रकाशित हुए, किंतु ये हिंदी पत्रकारिता की नींव बन गए। इनका उल्लेख किए बिना 200 साल की यात्रा का स्मरण और सिंहावलोकन अधूरा है।

ये समाचार पत्र और पत्रिकाएं उदंत मार्तंड के प्रकाशन से शुरू होकर अनवरत जारी है। बनारस अखबार, सरस्वती, सुधाकर, बुद्धि प्रकाश, समाचार सुधा वर्षण, प्रजा हितैषी, कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र चंद्रिका,,बाल बोधिनी, आनंद कादम्बिनी,ब्राह्मण, भारत मित्र, हिंदुस्तान, नवभारत, अभ्युदय, प्रताप, कर्मवीर, आज, कल्याण, पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, वीर अर्जुन, स्वदेश, भास्कर, दैनिक जागरण, अमर उजाला, हंस, विशाल भारत, धर्मयुग, दिनमान, कादम्बिनी, सारिका, अरुण का हिंदी पत्रकारिता में अतुलनीय योगदान है।

आज हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर जब हम उदंत मार्तंड का स्मरण कर रहे हैं। तब हमें पिछले 100 का भी स्मरण स्वाभाविक रूप से होता है। सौ वर्ष पूर्व हिंदी पत्रकारिता से जुड़ी दो घटनाएं और हुई जिन्हें याद करने से गौरव की अनुभूति होती है। वर्ष 1926 में यानी ठीक 100 साल पहले गोरखपुर से धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक चेतना को जागृत रखने के लिए ₹कल्याण₹ पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। हालांकि पहला अंक 1926 में मुंबई से निकला, लेकिन 1927 के बाद से इसका प्रकाशन गोरखपुर से हो रहा है।

हिंदी की आध्यात्मिक पत्रकारिता का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण कल्याण बना हुआ है। इस पत्रिका के 100 वर्ष में लगभग 90 विशिष्ट अंक तथा अनगिनत विशेषांक प्रकाशित हुए है। इन अंकों ने भारत के आध्यात्मिक, पौराणिक, वैदिक ज्ञान को सहेजने का काम किया है। इसके लिए जयदयाल गोयनका और हनुमान प्रसाद पोद्दार की जितनी प्रशंसा की जाय कम ही है। कल्याण भी इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है।

इसी के साथ ही 1925 में 'हिंदी साहित्य सम्मेलन' के तत्वावधान में 'प्रथम संपादक सम्मेलन' वृंदावन (मथुरा) में हुआ था। इसे भी 101 साल पूरे हो रहे है। इस सम्मेलन में हिंदी के मूर्धन्य विद्वान और संपादक बाबू राव विष्णु राव पराड़कर जी का ऐतिहासिक भाषण हुआ। वे इस सम्मेलन के अध्यक्ष थे। उन्होंने 100 साल पहले आज की हिंदी पत्रकारिता की 'दशा और दिशा' की भविष्यवाणी की थी।

भविष्य के संपादकों के प्रबंधकों के प्रभाव में रहने की आशंका भी व्यक्त की थी। जो आज सच साबित हो रही है। इस संपादक सम्मेलन में पराड़कर जी ने बताया था कि 'समाचार पत्र के दो मुख्य धर्म है - 'एक तो समाज का चित्र खींचना और दूसरा उसे सद उपदेश देना'। हमारा दूसरा कार्य 'लोक-शिक्षण हमारा सच्चा धर्म है'।

इसी के द्वारा हम देश की और जनता की सच्ची सेवा कर सकते हैं। 'हमें अपने पत्रों में सदा सर्व प्रकार से उच्च आदर्श को स्थान देना चाहिए' आज की हिंदी पत्रकारिता तकनीकी युग में है। तकनीक के अनेक उपायों से सज्जित है। इससे जो मुख्य परिवर्तन हुआ है, वह दो स्तरीय है। एक प्रकाशन की कागज पर निर्भरता कम हुई है। पत्र-पत्रिकाएं डिजिटल स्वरूप में हमारे सामने है। आसानी से उपलब्ध भी है। पहुंच की गति तीव्र हुई है। हमें अब 24 घंटे इंतजार नहीं करना है, बल्कि इंटरनेट से हिंदी समाचार तत्काल मिल रहे है। ये अच्छी स्थिति है,लेकिन चिंताजनक ये है कि इस डिजिटल युग में पत्रिकाओं का युग समाप्तप्रायः हो गया है।

हमारी हिंदी की 200 साल की पत्रकारिता गौरवशाली रही है। इस गौरव को बनाए रखने और इसमें श्रीवृद्धि करने का दायित्व आज की पीढ़ी पर है। हिंदी पत्रकारिता को शब्दों की दृष्टि से समृद्ध करने, भाषा और व्याकरण की शुद्धता को बनाए रखने की आवश्यकता है। साथ ही हिंदी पत्रकारिता की पूंजी विश्वसनीयता है। दायित्वबोध के साथ तथ्यात्मक और निष्पक्ष पत्रकारिता को अपना धर्म बनाकर हम अगली शताब्दियों को और अधिक गौरवशाली बना सकते है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7810

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7809 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

आज का राशिफल

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

वृष : बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। एकाकी प्रवृति का त्याग करें।

मिथुन : कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कन्या : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी।

तुला : योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें।

वृश्चिक : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

धनु : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

मकर : सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कुंभ : मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मीन : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा।

पं0 सुभाष पाण्डेयः हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

नौतपा की भीषण तपिश से झुलसा बीजापुर, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवायजरी

हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह

बीजापुर। छत्तीसगढ़ सहित बीजापुर जिला इन दिनों नौतपा की भीषण गर्मी की चपेट में है। आसमान से बरसती आग और तेज गर्म हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। जिले में तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से हीट वेव का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि लोग तेजी से बीमार पड़ रहे हैं और हीट स्ट्रोक के मामले भी सामने आने लगे हैं।

बढ़ती गर्मी और स्वास्थ्य संबंधी खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों के लिए विशेष एडवायजरी जारी की है। आज शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप सबसे अधिक खतरनाक रहती है। ऐसे समय में अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को गमछा, टोपी या छाते से ढंककर रखें। बिना सिर ढके तेज धूप में निकलना हीट स्ट्रोक का बड़ा कारण बन सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने खान-पान को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। अधिक तला-भुना, मसालेदार भोजन, मांसाहार और मदिरा सेवन से बचने को कहा गया है। गर्मी के मौसम में हल्का एवं सुपाच्य भोजन लेने की सलाह दी गई है। डॉ. पुजारी ने कहा कि शरीर में पानी की कमी इस मौसम का सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए लोगों को बार-बार पानी, छाछ, नींबू पानी और ओआरएस का सेवन करते रहना चाहिए। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि धूप में खड़ी बंद गाड़ियों में बच्चों को अकेला छोड़ना बेहद खतरनाक और जानलेवा साबित हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने हीट स्ट्रोक के लक्षणों को नजरअंदाज न करने की अपील की है। यदि किसी व्यक्ति को तेज सिरदर्द, चक्कर आना, तेज बुखार, उल्टी, घबराहट या अत्यधिक कमजोरी महसूस हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। बचाव के उपायों में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनना, धूप के चश्मे और छाते का उपयोग करना तथा तरबूज, खरबूजा और खीरा जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन करना शामिल है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी ने कहा, सावधानी ही इस मौसम में सबसे बड़ा बचाव है। नागरिक ठंडी जगहों पर रहें और अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचें।

रायपुर समेत कई जिलों में तेज हवा और बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नौतपा के बीच मौसम में अचानक आए बदलाव से अंबिकापुर, सूरजपुर जैसे क्षेत्रों में बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और हीटवेव से राहत मिली है। रायपुर समेत कई जिलों में मौसम विभाग ने तेज हवा और बारिश को लेकर यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। लगभग 24 घंटों के बाद तापमान में गिरावट होने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने जानकारी दी कि पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। एक-दो पॉकेट में ग्रीष्म लहर चली। आज से पूरे प्रदेश में मेघगर्जन के साथ तेज हवा, वज्रपात और वर्षा होने की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों के लिए 27 जिलों में बारिश, तेज रफ्तार से चलने वाली आंधी, आकाशीय बिजली और बादल गरजने का अलर्ट जारी किया है। जशपुर, सुरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर और कोरिया में यलो अलर्ट जारी किया गया है। रायपुरवासियों को गर्मी से आज राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहने की संभावना जताई है। साथ ही वर्षा, गरज-चमक और अंधड़ चलने की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

कपड़े व मोबाइल की दुकान में लगी भीषण आग, एक गंभीर

बलौदा बाजार। भाटापारा के हटरी बाजार स्थित एक बिल्डिंग के कपड़े और मोबाइल की दुकान में गुरुवार देर रात आग भड़क गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इस दौरान अचानक वह बिल्डिंग धराशाई हो गई। इस दौरान नगर सेना के जवान कृष्णा खुंटे गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर के एक अस्पताल लाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हटरीबाजार में देर रात बाबूलाल बत्रा की कपड़े की दुकान और एक मोबाइल दुकान में भीषण आग लग गई। गर्मी और तेज हवाओं के कारण यह आग तेजी से फैली और कुछ ही देर में इसने विकराल रूप ले लिया। स्थानीय थाना की सूचना पर भाटापारा शहर थाना प्रभारी अमित पाटले सहित अन्य अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया।

इस भीषण आग पर काबू पाने के लिए नगर सेना बलौदाबाजार, भाटापारा दमकल, अंबुजा सीमेंट रवान और अल्ट्राटेक सीमेंट हिरमी की फायर टीमों ने मिलकर मोर्चा संभाला। बचाव कार्य के दौरान, दुकान की पुरानी बिल्डिंग आग की तपिश न झेल पाने के कारण अचानक भरभराकर ढह गई। इस हादसे में आग बुझाने में जुटे बलौदाबाजार नगर सेना के जवान कृष्णा खुंटे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत रायपुर रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि उनके पैर में गंभीर चोट आई है। आग इतनी भीषण थी कि रातभर कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड शुक्रवार सुबह आग पर काबू पा सकी। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं व्यापारियों को हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्राकृतिक आपदा के दो मामलों में मृतकों के परिजनों को आठ लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्राकृतिक आपदाओं में जनहानि होने पर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में मृतकों के परिजनों के लिए कुल 8 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील तपकरा के ग्राम बांसाझाल निवासी जेवियर बड़ा की तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण उनके पुत्र विक्रम बड़ा को कुल चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार तहसील कांसाबेल अंतर्गत ग्राम पोंगरो निवासी लक्ष्मणी पैंकरा की आकाशीय बिजली से मृत्यु हो जाने पर उनके पति दिलेश्वर साय को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक आपदा के प्रकरणों में प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत प्रदान करने हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण की जा रही है।

एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग व कॉमिक्स पर एक जून को कार्यशाला

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में एक जून (सुबह 10 बजे) से अकादमिक भवन में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग व कॉमिक्स को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई है। भारत सरकार के उद्योग एवं सूचना प्रसारण मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रुति सिंह व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी (आईआईआईसीटी), मुंबई के विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग व कॉमिक्स लैब स्थापना की पहल के तहत बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा। कुलपति प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि इससे रोजगार की अपार संभावनाएं बनेंगी। इच्छुक युवा 9981346438 या 9406256031 पर संपर्क कर निशुल्क पंजीकरण करा सकते हैं।

सुशासन तिहार में किसान रूपसिंह नेताम को तत्काल मिली नई किसान किताब

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। सरकार के इस पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी आसानी से राहत और सुविधाएं मिल रही हैं। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत आमाडोब पटपरी निवासी किसान रूपसिंह नेताम इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिन्हें सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध कराई गई। राजस्व विभाग के अधिकारियों से आज शुक्रवार को मिली जानकारी के मुताबिक किसान रूपसिंह नेताम की किसान किताब कुछ दिन पहले गुम हो गई थी। किसान किताब नहीं होने के कारण उन्हें कृषि कार्यों के संचालन, राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

मौसम ने ली करवट, गरज-चमक के साथ जमकर बारिश, भीषण गर्मी से मिली राहत

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में शुक्रवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ले ली। सुबह करीब 7 बजे आसमान में घने बादल छा गए और तेज गरज-चमक के साथ जिले में जमकर बारिश शुरू हो गई। लगातार हो रही बारिश और मौसम में आई ठंडक से लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली। सुबह का मौसम पूरी तरह बदला हुआ नजर आया और वातावरण सुहावना हो गया।

बीते कई दिनों से जिले में तेज धूप और भीषण गर्मी का असर देखा जा रहा था। गुरुवार तक जिले का तापमान करीब 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं शुक्रवार को मौसम बदलने के बाद अधिकतम तापमान करीब 36 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई जा रही है। न्यूनतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। यानी एक ही दिन में तापमान में करीब 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सुबह से हो रही तेज बारिश के कारण लोगों ने राहत की सांस ली। जहां आम दिनों में सुबह होते ही तेज धूप निकल जाती थी, वहीं शुक्रवार को आसमान पूरी तरह बादलों से ढका रहा और सुबह के समय हल्का अंधेरा छाया रहा। मौसम में आए इस बदलाव से धरती की तपिश कम हुई और लोगों को गर्मी से राहत महसूस हुई। किसानों समेत आम लोगों ने भी बारिश का स्वागत किया। मौसम विभाग के अनुसार जिले में अगले कुछ घंटों तक बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

एसआर हॉस्पिटल ने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को वितरण किया सर्टीफिकेट

दुर्ग। एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के वर्ष 2025-26 बैच के जनरल ड्यूटी असिस्टेंट कोर्स के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सर्टिफि केट प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ के.के.जैन वरिष्ठ चिकित्सक (जनरल फिजीशियन)एवं विशेष अतिथि न्यु प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के अध्यक्ष अनिल गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं अन्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा एवं समाजसेवी विष्णु पाठक ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान संस्था के चेयरमेन द्वारा किया गया।

इस गरिमामय आयोजन में संस्था के चेयरमेन संजय तिवारी ने सर्वप्रथम विद्यार्थीओ को बधाई दी व संस्था के बारे में जानकारी दी कि संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना एवं क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना साथ ही विद्याथीयों को चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्रदान करना है कउन्होंने बताया कि एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग में डी.फामेर्सी कोंस एवं पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स व शासन द्वारा मान्यता प्राप्त मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना के पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। उन्होंने बताया कि एस.आर ग्रुप के द्वारा सैकड़ों विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात रोजगार भी प्रदान किया गया है। अतिथि उद्बोधन में डॉ के.के.जैन ने कहा कि कौशल विकास योजना आधारित प्रशिक्षण आज के समय की मांग है एवं विशेष अतिथि अनिल गुप्ता ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर द्वारा किए जा रहे प्रयास अत्यन्त ही सराहनीय है उन्होंने यह भी कहा कि एस.आर हॉस्पिटल द्वारा कौशल विकास योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए मिल का पत्थर साबित हो होगा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा एवं समाजसेवी विष्णु पाठक ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुवे अपनी शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर जे.एन. पाण्डेय, अरविन्द खैरवार, विनीता आंचला, नेहा ठाकुर,फनीस साहू, श्रीमती लीना वर्मा व श्रीमती ज्योति दास व शीतल सिन्हा व अस्पताल के अन्य स्टाफ एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन अरविन्द खैरवार ने करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

चार जून को होगी डीएलएड प्रवेश परीक्षा, जूते मोजे व आभूषण का उपयोग प्रतिबंधित

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आगामी गुरुवार 4 जून को डीएलएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के अंतर्गत होने वाली इस परीक्षा के लिए बस्तर जिले के जगदलपुर में कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 3,891 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया है।

परीक्षा के सफल और सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किए गए हैं, जिसके तहत परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर ढाई घंटे पहले पहुंचना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर ही सभी परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से सघन जांच की जाएगी। इसके बाद वीक्षकों द्वारा इंटरनेट से निकाले गए साफ-सुथरे मूल प्रवेश पत्र और किसी भी एक वैध पहचान पत्र का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। व्यापम के निर्देशानुसार प्रशासन ने परीक्षा में पूरी पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सख्त ड्रेस कोड और नियमों का पालन किए जाने हेतु निर्देश जारी किए हैं। सभी परीक्षार्थियों को हल्के रंग के हाफ टी-शर्ट, हल्के कपड़े और पैरों में चप्पल पहनकर ही परीक्षा केंद्र आना होगा। परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश करने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा कान में पहने जाने वाले किसी भी प्रकार के आभूषण, जैसे बाली या झूमका आदि पहनकर आने की सख्त मनाही है। परीक्षार्थी अपने साथ घड़ी, पर्स, मोबाइल, बेल्ट, टोपी, स्कार्फ, चश्मा, हाथ में बंधे धागे या अन्य कोई भी इलेक्ट्रॉनिक व संचार उपकरण नहीं ले जा सकेंगे। नियमों के अनुसार यदि किसी परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र में फोटो स्पष्ट नहीं है या प्रिंट नहीं हो पाई है, तो उन्हें अनिवार्य रूप से अपने साथ वर्तमान की दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लानी होगी। सभी परीक्षार्थियों के लिए वर्तमान वर्ष का मूल प्रवेश पत्र साथ रखना अनिवार्य किया गया है।

जगदलपुर शहर के जिन प्रमुख संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, उनमें शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज, झाड़ा सिरहा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, शासकीय दन्तेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल क्र.-1, शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकण्डरी स्कूल और सेजेस शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल क्र.-2 शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक केंद्र पर 360 परीक्षार्थी बैठेंगे। इनके अलावा स्वामी आत्मानंद एक्सीलेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल धरमपुरा (360), स्वामी विवेकानंद शासकीय एक्सीलेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल संजय मार्केट (360), स्वामी आत्मानंद एक्सीलेंट हिन्दी मीडियम स्कूल रेल्वे कालोनी (300), धरमु माहरा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक (240), शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल भगत सिंह सिविल लाइन (300) तथा बाल विहार हायर सेकण्डरी स्कूल बालाजी वार्ड में 171 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इस संपूर्ण परीक्षा के निर्बाध संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री मनीष कुमार वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 9406349496 है।

बस्तर में नक्सली खत्म नहीं हुए, जिंदा है खूंखार नक्सली गणेश उइके : छविंद्र

दंतेवाड़ा। केंद्र और राज्य सरकार बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे का दावा कर रही है। इस बीच स्व. महेंद्र कर्मा के पुत्र और कांग्रेस महामंत्री छविंद्र कर्मा ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि, बस्तर में नक्सली बड़े स्तर पर दोबारा स्थानीय युवाओं की भर्ती कर रहे हैं। गांव-गांव में अब भी नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम की गतिविधियां जारी है।

छविंद्र कर्मा ने दावा किया है कि बस्तर में नक्सली खत्म नहीं हुए हैं, बल्कि वे दोबारा बड़ी ताकत के साथ वापसी की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10-20 की संख्या में नक्सली आज भी गांवों में सरपंचों की बैठकें ले रहे हैं। छविंद्र कर्मा ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि सुरक्षाबलों ने जिस खूंखार नक्सली कैडर गणेश उइके को मारने का दावा किया है, वो जिंदा है। छविंद्र ने चुनौती देते हुए कहा कि, अगर नक्सली खत्म हो गए हैं, तो बस्तर आला पुलिस अधिकारी हमें लिख कर दे दें कि हम बिना सुरक्षा के किसी भी गांव में साइकिल से जा सकते हैं। जिस दिन ऐसा होगा, मैं मान लूंगा कि नक्सलवाद का खतरा टल गया।

कयाघाट ब्रिज और मरीन ड्राइव का पीडब्ल्यूडी सचिव ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता पर दिया जोर

रायगढ़। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज गुरुवार को रायगढ़ में निमार्णाधीन कयाघाट ब्रिज और मरीन ड्राइव परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने केलो नदी पर बन रहे पुल और मरीन ड्राइव के कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी और विभागीय अधिकारियों ने परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। सचिव ने कहा कि दोनों परियोजनाएं शहर के यातायात और सौंदर्यीकरण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इन्हें तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। इसके बाद लोक निर्माण विभाग के सचिव ने रायगढ़ सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे सड़क और भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में टिकाऊपन और उपयोगिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गुणवत्ता और समय-सीमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

बैठक में जिले के विभिन्न उप संभागों में प्रगतिरत सड़कों, पुलों और नए भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। सचिव ने ट्रांजिट हॉस्टल, मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन, प्रयास आवासीय स्कूल, कामकाजी महिला छात्रावास और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसी परियोजनाओं की कार्ययोजना की जानकारी लेकर जल्द निर्माण कार्य शुरू करने को कहा।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे, प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी, मुख्य अभियंता आरके रात्रे, जीएस मंडावी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जापानी तकनीक से बदलेगी बिलासपुर की तस्वीर, 15 हजार पौधों से बनेगा मियावाकी ऑक्सीजन जोन

बिलासपुर में हरित क्रांति, अरपा तट पर 'मियावाकी ऑक्सीजन जोन' का निर्माण

रायपुर / बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई और ऐतिहासिक पहल तेजी से आकार ले रही है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बिलासपुर नगर के कोनी क्षेत्र में अरपा नदी तट पर जापानी मियावाकी तकनीक से सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है। लगभग 1.500 हेक्टेयर क्षेत्र में 15 हजार पौधों का रोपण कर यहां एक आधुनिक मियावाकी ऑक्सीजन जोन विकसित किया जा रहा है।

यह परियोजना एस.ई.सी.एल. बिलासपुर के सहयोग से संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता को मजबूत करना है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश पर वन विकास निगम द्वारा इस आधुनिक जापानी तकनीक को प्रदेश में लगातार विस्तार दिया जा रहा है।

मियावाकी तकनीक वृक्षारोपण की एक वैज्ञानिक और अत्यंत प्रभावी पद्धति मानी जाती है। इस तकनीक में पौधों को बेहद व्यवस्थित ढंग से कम दूरी पर लगाया जाता है, जिससे वे सामान्य पौधों की तुलना में लगभग 10 गुना तेजी से विकसित होते हैं। इसके साथ ही यह वन सामान्य जंगलों की अपेक्षा 30 गुना अधिक घना और 100 गुना ज्यादा जैव विविधता वाला माना जाता है।

वृक्षारोपण कार्य के लिए भूमि में लगभग एक मीटर गहराई तक ट्रेंच तैयार कर उपजाऊ मिट्टी डाली जा रही है। इसके बाद पौधों को उनकी ऊंचाई और संरचना के अनुसार हाई, मिडिल और स्माल कैनोपी श्रेणियों में विभाजित कर वैज्ञानिक तरीके से रोपा जा रहा है। सभी पौधों के बीच लगभग एक मीटर की दूरी रखी गई है ताकि कम क्षेत्र में अधिकतम हरियाली विकसित हो सके।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मियावाकी तकनीक के माध्यम से कम भूमि में तेजी से घने वन तैयार कर शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण, भूजल संरक्षण और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाले समय में बिलासपुर शहर के लिए ग्रीन फेफड़े की तरह कार्य करेगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी वन विकास निगम द्वारा एन.टी.पी.सी. सीपत के सहयोग से बिलासपुर जिले में 94 हजार पौधों का सफल मियावाकी वृक्षारोपण किया जा चुका है, जो अब तेजी से विकसित होकर हरे-भरे वन का स्वरूप ले चुके हैं। अरपा तट पर विकसित हो रहा यह नया मियावाकी ऑक्सीजन जोन न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार की दूरदर्शी सोच, पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और हरित भविष्य के संकल्प का भी सशक्त उदाहरण बनेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक : कैलाश नाथ द्वारा शिवम पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनरीज इण्डस्ट्रीज-157प्रेस भवन,मधुबन विहार (ज्ञानेश्वर सोसायटी) ,वार्ड-85, होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र.462047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : सुशील कुमार त्रिपाठी , Mobile-91- 9893982060, Email- mptmnp@gmail.com , website:tarunmitra.in , RNI : MPHIN/2021/79825 ; "इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

ओवरलोडिंग व जलभराव से समय से पहले करोड़ों की रोड हो रही ध्वस्त

राज्यमंत्री के प्रयास से दशकों के बाद चौड़ीकरण के कुछ समय पूर्व बनी थी रोड

क्षेत्रीय जनता को दोबारा से पुराने समय के बदहाल आवागमन का होने लगा एहसास

बांदा , 29 मई (तरुणमित्र)। केन्द्र में नरेन्द्र मोदी व प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार व सुगम यातायात व्यवस्था के लिए उपयोगी प्रयास जारी हैं। कुछ धरातल पर पूर्ण हो गए व कुछ अभी भी गतिशील है जिनको तय समय-सीमा व उच्च गुणवत्ता परक पूर्ण करने का काम जारी है।

लेकिन इस इस विकास में बालू मिट्टी से लदे ओवरलोडिंग ट्रकों की धमा-चौकड़ी व जलजीवन मिशन में हर घर नल से जल पहुंचाने में डाली गई पाइपलाइन लिकेज ने पलीता लगा दिया है। जिससे नवनिर्मित सड़क ध्वस्त हो रही है। जिसमें जनपद की तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत जसपुरा ब्लाक में जसपुरा से सेमरा डेरा तक 19.890 किमी सड़क का निर्माण कार्य वर्ष 2023 से जनवरी 2024 में 25 करोड़ 54 लाख में बनकर तैयार हुई। परन्तु इस क्षेत्र में संचालित बालू खदानों से निकलने वाले

ओवरलोडिंग ट्रकों की धमा-चौकड़ी व जलजीवन मिशन में डाली गई पाइपलाइन में लिकेज से हुए जलभराव के कारण जगह जगह पर सड़क गड्ढों व छोटे तालाबों में बदल गई है। जिसमें निर्वाध सुगम आवागमन मानों एक दिवास्वप्न हो। बताते चलें कि इस सड़क से क्षेत्र के तीन दर्जन से अधिक गांवों के हजारों ग्रामीण जसपुरा ब्लाक होते हुए मण्डल मुख्यालय तक अपनी मूलभूत आवश्यकताओं स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार व कृषि के लिए आवागमन करते हैं। जिसके लिए, ग्रामीण पिछले कई दशकों से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और उच्चाधिकारियों से आरजू मिन्नतें करते रहे।

जिसमें इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने के लिए वर्तमान विधायक व प्रदेश सरकार के जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने पूरी शिद्दत से प्रयास किए। परिणामस्वरूप चमचमाती रोड़ को जनता के आवागमन के लिए सुरक्षित व सुगम बनाने में सफलता हासिल की। वर्तमान में करोड़ों रूपए से बनीं सड़क ओवरलोडिंग ट्रकों की रफ्तार व जलभराव के कारण समाप्ति की कगार पर पहुंच गई। क्षेत्रीय तहसील प्रशासन को मानों कोई भी खबर ना इस प्रकार चुप्पी साध कर सब देख रहें हैं जिसका आरोप ग्रामीण लगा रहे हैं।

तीव्र आंधी से जगह-जगह टूट कर धराशाई हुए टीन टप्पड

पैलानी/बांदा, 29 मई (तरुणमित्र)। पैलानी तहसील के पैलानी जसपुरा बरेहटा, निवाइच , पपरेंदा तक जगह-जगह गिरे पेड़ गिरे पड़े थे एसडीएम पैलानी अंकित वर्मा के साथ टीम को लगाकर रास्ता साफ करवाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर देर रात आये आंधी तूफान से खप्टिहा कलां कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रीय गांव में लोगों के टीन टप्पड उड़ जाने तथा बड़े-बड़े दरख्वत पेड़ जमीन से उखड़ गए और लोगों के घरों में जा गिरे ऐसा ही एक मामला खप्टिहा कलां कस्बे के राम भरोसे वर्मा, कूबत बाबा के धार्मिक स्थल पर भारी भरकम पेड़ जमीन से उखड़ गए और घरों में जा गिरे इसी प्रकार पूरन, राजकरण, कालका के घरों में लगी टीने उड़कर दूर जा गिरने से घर के नीचे सोए हुए परिवार बाल बाल बचे। कस्बे के ग्रामीणो देसी वर्मा, संजय सोनी, नितिन कश्यप, राजेंद्र यादव, बाबूलाल गुप्ता, आदि लोगों ने बताया की देर रात आए तूफान से सारे कस्बे में उथल-पुथल मच गई ।जो जहां थे वहीं ठिठक गए भारी भरकम नुकसान के साथ सुबह होते ही लोग अपने उजड़े हुए आसियानों को संवारने में जुट गए हैं विद्युत व्यवस्था भी जगह-जगह विधुत पोल, ट्रांसफार्मर नीचे टूटकर गिर गए है टूटे हुए तारों से धडाम हो गई ।

डीसीएम की टक्कर से चाचा की मौत, भतीजा घायल

बिंदकी, फतेहपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। अपने घर से दावत में जा रहे बाइक सवार चाचा-भतीजे को डीसीएम गाड़ी ने तेज टक्कर मार दिया जिसके चलते चाचा की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई वहीं भतीजा गंभीर घायल हो गया जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली बिंदकी कस्बे के खजुहा चौराहे के समीप सम्राट सिनेमा मोड़ में शुक्रवार की सुबह लगभग 6 बजे डीसीएम गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार दुक्खी 57 वर्ष पुत्र कल्लू की मौके पर मौत हो गई जबकि उसका भतीजा इमरान 26 वर्ष पुत्र रमजान निवासी बलुआपुर धोबिन का पुरवा गंभीर घायल हो गया। दुर्घटना के बाद हड़कंप मच गया मौके पर भारी भीड़ लग गई। घायल इमरान को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे। बताया जाता है कि मृतक चाचा दुक्खी अपने भतीजे इमरान के साथ बाइक द्वारा मलवा थाना क्षेत्र के अढेना गांव एक दावत कार्यक्रम में जा रहे थे तभी रास्ते में दुर्घटना हो गई।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता गोष्ठी आयोजित

फतेहपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 31 मई विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में अमर शहीद जोधा सिंह अटैया ठाकुर दरियाव सिंह मेडिकल कॉलेज में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों, युवाओं में बढ़ती लत और समाज पर इसके घातक प्रभावों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं डीन डॉ. राजेश कुमार मौर्या ने किया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 1987 में तम्बाकू सेवन से बढ़ती मौतों और बीमारियों को देखते हुए विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी, जिसे वर्ष 1988 से प्रत्येक वर्ष 31 मई को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं और बच्चों को तम्बाकू की लत से बचाना, धूम्रपान एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों के उपयोग को कम करना तथा सार्वजनिक स्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाना है। उप प्रधानाचार्य डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि भारत में कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण तम्बाकू सेवन है। उन्होंने बताया कि सेकेंड हैंड स्मोक यानी दूसरे के धुएं से भी लोगों को गंभीर स्वास्थ्य नुकसान पहुंचता है। नोडल अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार ने कहा कि गुटखा, सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की लत मुख्य रूप से निकोटीन के कारण होती है। यदि व्यक्ति दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इसे छोड़ने का प्रयास करे तो मात्र दो से तीन सप्ताह में इस आदत को बदला जा सकता है। उन्होंने बताया कि तम्बाकू छोड़ने की प्रक्रिया शुरू होने के 72 घंटे के भीतर निकोटीन शरीर से बाहर निकलने लगता है। जिला अपर शोध अधिकारी महेन्द्र सिंह लोधी ने भी जागरूक किया। उत्तर प्रदेश वॉलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन के रीजनल कोऑर्डिनेटर ने कहा कि तम्बाकू सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। अंत में मेडिकल कॉलेज के 86 छात्र-छात्राओं एवं फैकल्टी सदस्यों ने तम्बाकू का सेवन न करने की शपथ ली और समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

बीला दक्षिण गांव में भीषण अग्निकांड 4 परिवारों के आशियाने राख

महोबा, 29 मई (तरुणमित्र)। कबरई क्षेत्र के बीला दक्षिण गांव में बुधवार देर रात भीषण आग लगने से चार परिवारों के घर जलकर राख हो गए। आग की चपेट में आने से घरों में रखा अनाज, घरेलू सामान और बाइक समेत लाखों रुपये की संपत्ति स्वाहा हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और पीड़ित घनश्याम, सुरेश, अशोक और रवि के आशियानों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घरों में रखा सामान पूरी तरह जल चुका था। पीड़ित परिवारों का कहना है कि आग लगने से उनके सामने रहने और खाने तक का संकट खड़ा हो गया है। घटना में अनाज, कपड़े, जरूरी दस्तावेज और एक बाइक भी जलकर राख हो गई।

राजघाट रोड हरदीला में शराब दुकान का विरोध तेज

ललितपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। राजघाट रोड हरदीला क्षेत्र में संचालित शराब की दुकान को लेकर अब स्थानीय छात्र-छात्राओं का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। क्षेत्र के दर्जनों छात्र-छात्राओं ने जिलाधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी को सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपकर शराब दुकान को आबादी से हटाकर अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की मांग की है। छात्रों का कहना है कि दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है और इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई, मानसिक स्थिति और सुरक्षा पर पड़ रहा है। प्रार्थना पत्र में छात्र-छात्राओं ने भावुक अपील करते हुए लिखा कि वह सभी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं शैक्षणिक तैयारी में जुटे हुए हैं, लेकिन शराब दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों

के जमावड़े के कारण अब उनका कोचिंग जाना, लाइब्रेरी जाना और बाजार तक निकलना मुश्किल हो गया है। छात्रों ने प्रशासन से कहा कि हम पढ ?ा चाहते हैं, हमारी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

टैक्सी स्टैंड के सामने शराब दुकान, छात्राओं में भय

छात्रों ने बताया कि जिस स्थान पर शराब की दुकान संचालित हो रही है, उसके ठीक सामने टैक्सी स्टैंड स्थित है, जहां से छात्र-छात्राएं कोचिंग और लाइब्रेरी आने-जाने के लिए वाहन लेते हैं। शाम के समय यहां शराबियों की भीड़ लगने से छात्राओं को भारी असुरक्षा महसूस होती है। कई बार अभद्र टिप्पणियों और असहज माहौल का सामना भी करना पड़ता है। छात्राओं ने कहा कि अंधेरा होने के बाद स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है, जिसके चलते अभिभावकों ने बेटियों को अकेले बाहर भेजना लगभग बंद कर दिया है। अब कई छात्र-छात्राओं की कोचिंग और लाइब्रेरी जाना तक रुक गया है।

माता मंदिर के पास दुकान से धार्मिक भावनाएं भी आहत

स्थानीय लोगों ने बताया कि शराब दुकान से करीब 30 से 40 कदम की दूरी पर माता का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं, छात्राएं एवं श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचते हैं, लेकिन शराब दुकान के कारण मंदिर परिसर के आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है। महिलाओं ने भी इस पर नाराजगी जताई है।

बुंदेली समाज ने उठाई महोबा में डिजिटल आल्हा म्यूजियम बनाने की मांग

आल्हा ऊदल की जन्मस्थली दिसरापुर गांव को आदर्श गांव घोषित किया जाए

महोबा, 29 मई (तरुणमित्र)। बुंदेलों ने आज ज्येष्ठ दशहरा पर गुरू गोरखनाथ के शिष्य वीर आल्हा का जन्मोत्सव मनाया। आल्हा चौक पहुंचकर उनकी विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं उनकी वीर गाथाओं का बखान किया। इस मौके पर बांदा से आये कमलेश व सौरभ यादव ने भी वीर आल्हा को नमन किया। बुंदेलों ने प्रशासन से आल्हा की धरोहरों को बचाने की मांग की एवं महोबा में एक ऐसा डिजिटल आल्हा म्यूजियम बनाने का आग्रह किया जिसमें उनके जन्म से लेकर उनकी सभी लड़ाईयों का सचित्र विवरण हो। बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर बुंदेलखंडी ने कहा कि गुरू गोरखनाथ के कहने पर ही आल्हा ने 1182 में दिल्ली नरेश पृथ्वीराज चौहान को प्राणदान दिया और संन्यास ले लिया था लेकिन वीर भूमि महोबा की शान आल्हा की

सभी निशानियां अब धीरे-धीरे मिट रही हैं। जिनको बचाना बहुत जरूरी है ताकि भावी पीढी इन योद्धाओं की वीरता और पराक्रम के बारे में जान सके। उन्होंने कहा कि भारी उपेक्षा के चलते महोबा में आल्हा बैठक, आल्हा की गिल्लू, इंदल बैठक जैसे सभी ऐतिहासिक स्थल अब अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं। उनके इतिहास की महोबा में कहीं कोई जानकारी नहीं मिलती।

आल्हा ऊदल से संबंधित संपूर्ण इतिहास की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए महोबा में एक आल्हा म्यूजियम बनाने के मांग न जाने कितनी बार उठाई जा चुकी है लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। चंदेल राजा परमाल के सेनापति दसराज व माता देवला की संतान आल्हा का जन्म महोबा शहर से 4 किलोमीटर दूर जिस दिसरापुर गांव में 12वीं शताब्दी में हुआ था, अब वहां आल्हा ऊदल की सारी निशानियां मिट गई हैं। दिसरापुर गांव को आदर्श गांव घोषित कर विकसित किया जाना चाहिए। बस आल्हा चौक की हालत थोड़ी ठीक है जिसका निर्माण 1984 में तत्कालीन ज्वांइट मजिस्ट्रेट संजीव अहलूवालिया ने करवाया था लेकिन कजली मेले में आल्हा ऊदल का विजय जुलूस यहां से नहीं निकलता। महामंत्री डा. अजय बरसैंया ने कहा कि ज्येष्ठ दशहरा को ही गंगा दशहरा कहते हैं। आज ही गंगा नदी का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। हिन्दुओं में आज के दिन का विशेष महत्व है।

अघोषित बिजली कटौती से भड़के शहरवासी

ललितपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। शहर में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ लोगों का गुस्सा आखिरकार सड़क पर फूट पड़ा। भीषण गर्मी और रातभर हो रही बिजली कटौती से परेशान शहर के एक सैकड़ा से अधिक लोग आधी रात अपने बच्चों और बुजुर्गों को साथ लेकर जिलाधिकारी आवास पहुंच गए और वहां धरना देकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देर रात हुए इस प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि पिछले कई दिनों से शहर में बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली काटी जा रही है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी के चलते छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की हालत खराब हो रही है।

ईद-उल-जुहा की नमाज सकुशल सम्पन्न पुलिस-प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

महोबा, 29 मई (तरुणमित्र)। जनपद महोबा में ईद-उल-जुहा (बकरीद) की नमाज शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोबा गजल भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक महोबा शशांक सिंह द्वारा प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की टीम के साथ थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत स्थित ईदगाह पहुँचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया तथा नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी कुंवर पंकज एवं अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा धर्मगुरुओं एवं आमजन से भेंट कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी गई तथा आपसी भाईचारे एवं सद्भाव के साथ पर्व

मनाने का संदेश दिया गया। जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में ईदगाहों, मस्जिदों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल, पीएसी एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों की तैनाती सुनिश्चित की गई।

सभी क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखते हुए नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराते रहे। नमाज उपरांत मुस्लिम धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों, बुजुर्गों, एवं विशेष रूप से बच्चों को बकरीद की शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान सभी नागरिकों से शांति, सौहार्द एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की गई तथा जनपद में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। महोबा पुलिस जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, शांति एवं साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखने तथा प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

भाकियू महात्मा टिकैत ने मनाई चौ. चरण सिंह की पुण्यतिथि

फतेहपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत के पदाधिकारियों ने चौ0 चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुण्यतिथि मनाते हुए गोष्ठी में उन्हें याद किया तत्पश्चात मासिक बैठक में मुरादाबाद के किसानों को बिना शर्त जेल से रिहा किए जाने की मांग उठाई।कार्यक्रम का आयोजन नहर कालोनी परिसर में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव रामदत्त मिश्र ने शिरकत की। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मधुसूदन तिवारी ने की। उपस्थित पदाधिकारियों व किसानो ने सर्वप्रथम चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुण्यतिथि मनाई। मासिक बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव श्री मिश्र ने कहा कि सात जून को मुरादाबाद के चौबीस किसानों को जेल से बिना शर्त रिहा किए जाने की समय सीमा समाप्त होगी। राष्ट्रीय नेतृत्व का जो भी आदेश होगा उसका अनुपालन किया जाएगा। हरिद्वार में 19, 20 व 21 जून को आयोजित होने वाले चिंतन शिविर में संगम एक्सप्रेस से सभी किसान 18 जून को रवाना होंगे। बैठक में मांग किया कि किसानों के यहां लगे स्मार्ट मीटर बदलकर पुराने मीटर लगाए जाएं।

आंधी-तूफान से खराब हुई विद्युत लाइनों को दुरूस्त किया जाए। बैठक के दौरान मो0 नसरद, काशी प्रसाद, हरीलाल, पप्पू सिंह, शैलेन्द्र सिंह चौहान, राजू सिंह, कल्लू सिंह, जितेन्द्र त्रिपाठी, राम आसरे, साधना मिश्रा, अखिलेश सिंह, विजय सिंह, सत्यजीत सिंह, बबलू सिंह चौहान, कुंदन सिंह, प्रशांत सिंह, मुशीर अहमद आदि मौजूद रहे।

भीषण गर्मी व लू से बचाव को जिला प्रशासन अलर्ट

हमीरपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। जिलाधिकारी द्वारा नगर निकाय और राजस्व विभाग को भीषण गर्मी तपन से बचने के लिए 14 लाख की धनराशि आवंटित की है। जिलाधिकारी ने सभी जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इलाकों में पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने, गर्मी से बचाने तथा उसके उपचार की व्यवस्था करें।

निर्देश दिए हैं लेकिन ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। बजट से कागजों तक सीमित होकर केधन का बंदर बांट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है । युवा अधिवक्ता राम सिंह का कहना है कि जनपद न्यायालय चौराहे पर खाली घड़े बंद कूलर व अन्य व्यवस्था देखी जा सकती है। जिलाधिकारी से जनता ने अनुरोध किया है कि इन व्यवस्थाओं को एक बार अचानक निरीक्षण भी किया जाए ताकि लोगों को व्यवस्थाओं का लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी हमीरपुर अभिषेक गोयल के निर्देशन में जनपद में लगातार बढ़ते तापमान एवं उष्ण लहर (लू) के प्रभाव को देखते हुए जनसुरक्षा एवं राहत हेतु व्यापक स्तर पर तैयारियाँ सुनिश्चित की गई हैं। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण विशेष रूप से मजदूरों, किसानों एवं धूप में कार्य करने वाले लोगों में निर्जलीकरण एवं लू लगने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार लू एवं भीषण गर्मी से बचाव हेतु जनपद की समस्त तहसीलों एवं नगरीय निकायों में राहत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई ई-दुल-अजहा की नमाज

हमीरपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। हमीरपुर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में मौदहा नगर सहित आज ईदुल अजहा बकरीद की नमाज शांतिपूर्वक रूप से संपन्न हुई है ।बकरीद की नमाज के दौरान देश में अमन चैन भाईचारा देश तरक्की के लिय नमाजियों ने दुआ करी है ।नगर के मीरा तालाब स्थित बड़ी ईदगाह में शहर पेस इमाम कारी करामात उल्ला ने बकरीद की नमाज अदा कराई है ।नमाज के बाद देश में खुशहाली अमन चैन और देश तरक्की की दुआ मांगी गई है ।साथ ही शहर पेस इमाम ने खुतबे के दौरान बकरीद पर्व के बारे में नमाजियों को जानकारी देते हुए आपसी एकता सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील करते हुए बंद जगहों पर जानवरों की कुबार्नी करने की अपील की है। बकरीद की नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईदुल अजहा बकरीद की मुबारक बाद पेस की है ।नमाज के बाद नगर के कई मदरसों में सामूहिक कुर्बानियों के सिलसिले के साथ ही लोगों के घरों पर जानवरों की कुर्बानियों का सिलसिला शुरू हो गया है।

जिलाधिकारी ने दिलाई तम्बाकू निषेध की शपथ

कन्नौज, 29 मई (तरुणमित्र)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) के अवसर पर जनपद कन्नौज में तम्बाकू नियंत्रण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु आज कलेक्ट्रेट परिसर में विशेष अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में स्थापित जागरूकता बोर्ड पर हस्ताक्षर कर अभियान की औपचारिक शुरूआत की तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तम्बाकू निषेध की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि तम्बाकू सेवन मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक है तथा यह कैंसर, हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण बनता है। उन्होंने बताया कि जनपद में आज से 03 जून 2026 तक व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम, रैलियां एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों एवं सामाजिक-आर्थिक नुकसान के प्रति जागरूक करना है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं तम्बाकू एवं तम्बाकू उत्पादों के सेवन से दूर रहें तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता एवं सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही 'तम्बाकू मुक्त कन्नौज' के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना के तहत आज से होगा संचालन

चित्रकूट, 29 मई (तरुणमित्र)। सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक चित्रकूट डिपो राकेश कुमार पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक चित्रकूट डिपो राकेश कुमार पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना-2026' के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु चित्रकूट जनपद में 04 बसों का शुभारम्भ दिनांक 30.05.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे उत्तर प्रदेश राज्य सडक परिवहन निगम के बस स्टेशन (बेडीपुलिया) चित्रकूट, चित्रकूट डिपो से किया जाएगा।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, मऊ-मानिकपुर विधायक अविनाशचंद्र द्विवेदी के प्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, नगरपालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में चित्रकूट जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, चित्रकूट मुख्य विकास अधिकारी महोदय, पी०टी०ओ० तथा क्षेत्रीय प्रबन्धक , चित्रकूटधाम क्षेत्र बाँदा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना-2026 का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ एवं नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे आमजन को आवागमन में सुविधा प्राप्त हो सके।

जनगणना-2027 : प्रथम चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 प्रगणकों का हुआ सम्मान

लगातार फील्ड मॉनिटरिंग से जनगणना कार्य में आई तेजी, अधिशासी अधिकारी ने बढ़ाया टीम का उत्साह

ललितपुर, 29 मई (तरुणमित्र)। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराए जाने हेतु नगर पालिका परिषद, ललितपुर के चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा द्वारा लगातार फील्ड भ्रमण कर जनगणना कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में नगर क्षेत्र के 13 प्रगणकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य पूर्ण किए जाने पर शुक्रवार को सुपर मार्केट स्थित आईसीसीसी जनगणना कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चार्ज

अधिकारी/अधिशासी अधिकारी विश्वकर्मा ने कार्य पूर्ण करने वाले प्रगणकों एवं उनकी निगरानी कर रहे सुपर वाइजरों को फूलमाला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं सुपर वाइजरों की मेहनत, लगन एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के बीच घर-घर जाकर जनगणना कार्य को गति देना अत्यंत सराहनीय कार्य है। सम्मानित होने वाले प्रगणकों में ब्लॉक नंबर-186 के चन्द्रमोहन चौबे, ब्लॉक नंबर-246 के प्रवीण सोनी, ब्लॉक नंबर-01 के भगवान सिंह, ब्लॉक नंबर-02 के वीरेन्द्र, ब्लॉक नंबर-81 के चन्द्रविनोद मिश्रा, ब्लॉक नंबर-302 के आदेश, ब्लॉक नंबर-134 की प्रियंका सक्सैना, ब्लॉक नंबर-235 के दिनेश कुमार विश्वकर्मा, ब्लॉक नंबर-129 के मनोहरलाल नामदेव, ब्लॉक नंबर-126 की साधना पटैरिया, ब्लॉक नंबर-127 की मीना जैन, ब्लॉक नंबर-289 की स्मृति सिंह एवं ब्लॉक नंबर-145 के दीपेन्द्र कुमार शामिल रहे इसके साथ ही सुपर वाइजर अनिल पटैरिया, शक्ति सिंह अहिरवार एवं मनोज कुमार को भी सम्मानित किया गया। चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में भवन गणना का कार्य किया जा रहा है।

नगर क्षेत्र को कुल 311 ब्लॉकों में विभाजित किया गया है, जहां प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक प्रगणक एवं उनकी निगरानी हेतु सुपर वाइजर तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 13 ब्लॉकों का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष 298 ब्लॉकों का कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराने हेतु लगातार मॉनिटरिंग एवं फील्ड निरीक्षण किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जनगणना लिपिक हबीब खान, लिपिक अमित पाराशर, फील्ड ट्रेनर शक्ति सिंह अहिरवार, अंकित तिवारी, आशीष मालवीय, अभिषेक सिंह, देवकी कुशवाहा सहित नगर पालिका परिषद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन माह से वेतन नहीं मिलने पर स्वास्थ्य कर्मियों का प्रदर्शन, हड़ताल की चेतावनी

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में तीन माह से वेतन नहीं मिलने से नाराज स्वास्थ्य कर्मियों ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक वेतन जारी नहीं किया गया तो मंगलवार से जिलेभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। प्रदर्शन में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से नियमित, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारी, आशा सुपरवाइजर तथा उषा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कर्मचारियों का कहना था कि वे लगातार अस्पतालों और ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट गहरा गया है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वेतन नहीं मिलने से बच्चों की फीस जमा नहीं हो पा रही, बैंक की किश्तें अटक गई हैं और रोजमर्रा के खर्च पूरे करने के लिए उधार लेना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि विभागीय स्तर पर लंबित प्रक्रियाओं और फाइलों की देरी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुरेश पटेल ने कहा कि कर्मचारी हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। उन्होंने कहा कि यदि तय समय सीमा तक वेतन जारी नहीं हुआ तो जिले की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए सोमवार तक समाधान निकालने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चेतन साहू, सीएमएचओ कार्यालय के कर्मचारी, आरबीएसके चिकित्सक, सीएचओ, बीपीएम, बीसीएम और आउटसोर्स कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर में लगी आग, दवाईयां-फर्नीचर सहित अन्य सामान जला

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के शहर ब्यावरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार अलसुबह इंदौर नाका स्थित बागेश्वर मेडिकल स्टोर में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि सुबह लगभग 5 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण दुकान में आग भड़क उठी। कुछ ही देर में धुआं और लपटें बाहर निकलने लगीं, जिससे आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। संयोग से घटना स्थल के पास ही डायल-112 का एक पुलिस वाहन मौजूद था। तैनात पुलिसकर्मियों ने बिना देर किए दुकान का ताला तुड़वाकर अंदर पहुंच आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कुछ समय बाद दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक दुकान में रखी बड़ी मात्रा में दवाइयां, फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो चुके थे। दुकान संचालक महेश दांगी ने करीब तीन लाख रुपये का नुकसान होना बताया है। आग बुझाने के दौरान पानी भर जाने से भी कई दवाइयां खराब हो गईं। आग लगने के सही कारण का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस और दमकल समय पर न पहुंचते तो आसपास की दुकानें और घर भी आग की चपेट में आ सकते थे।

शराब दुकानों पर चोरों का धावा, चार दुकानों से तीन लाख से अधिक नकदी और मोबाइल पार

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बदमाशों ने एक ही रात में चार शराब दुकानों को निशाना बनाकर तीन लाख रुपये से अधिक की नकदी और मोबाइल चोरी कर लिए। ब्यावरा क्षेत्र में हुई इस सिलसिलेवार वारदात ने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सभी घटनाएं दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई हैं, जिनके आधार पर पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने गुरूवार देर रात वारदात की शुरूआत ब्यावरा थाना क्षेत्र के कांचरी जोड़ स्थित शराब दुकान से की। यहां पीछे की चादर काटकर दुकान में प्रवेश किया गया और करीब 11 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। इसके बाद चोर चमारी जोड़ स्थित दुकान पहुंचे, जहां उसी तरीके से सेंध लगाकर करीब दो लाख रुपये नकदी और कर्मचारियों के मोबाइल फोन पार कर दिए। इसके बाद बदमाशों ने विश्वनाथ कॉलोनी रेलवे स्टेशन तिराहा स्थित दुकान को निशाना बनाया और वहां से करीब 50 हजार रुपये चोरी कर लिए। वारदात का सिलसिला यहीं नहीं रुका। बदमाश पड़ोनिया स्थित दुकान में भी घुसे और वहां से 21 हजार रुपये नकद व मोबाइल लेकर फरार हो गए। खास बात यह रही कि सभी दुकानों में कर्मचारी मौजूद थे, लेकिन किसी को भी चोरी की भनक तक नहीं लगी। बदमाश शटर और ताले काटकर अंदर दाखिल हुए और कैश काउंटर में रखी रकम लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि सभी घटनाएं रात 2 बजे से सुबह 4:30 बजे के बीच हुईं। करीब 15 किलोमीटर के दायरे में हुई इन लगातार चोरियों से हाइवे किनारे कारोबार करने वाले व्यापारियों में दहशत का माहौल है।सूचना मिलने पर पुलिस ने शुक्रवार सुबह घटनास्थलों का निरीक्षण कर अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान, सड़कों पर मार्किंग और ट्रैक्टरों पर लगाए रेडियम

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन और दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर शहर में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यातायात पुलिस ने शुक्रवार को गांधी पार्क से पुराना बाजार जाने वाले मार्ग पर सड़क के दोनों ओर चूना और पेंट से लाइनिंग एवं रोड मार्किंग करवाई। पुलिस का मानना है कि इससे यातायात संचालन बेहतर होगा और जाम की स्थिति में कमी आएगी। वहीं रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सेन चौराहे से गुजरने वाले ट्रैक्टरों पर रेडियम पट्टियां भी लगाई गईं। इन रेडियम स्ट्रिप्स के माध्यम से रात में दूर से ही वाहन स्पष्ट दिखाई दे सकेंगे, जिससे हादसों की आशंका कम होगी।अभियान के दौरान यातायात थाना प्रभारी मनीष सिंह चौहान और उनकी टीम ने पीए सिस्टम और प्रोजेक्टर के जरिए आमजन, व्यापारियों और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया।

यातायात पुलिस की इस पहल को स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने सकारात्मक कदम बताते हुए सराहना की है।

सागर में सड़क किनारे युवक का शव मिलने से दहशत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बहेरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। युवक के नाक और मुंह से खून बह रहा था, जबकि शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बरारू गांव निवासी 31 वर्षीय अमित पटेल के रूप में हुई है। शुक्रवार सुबह मुनमुन ढाबे के सामने सड़क किनारे झाड़ियों के पास राहगीरों ने युवक को पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद तत्काल बहेरिया थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। वहीं पहचान होने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जिनका रो-रोकर बुरा हाल था।

मृतक के चाचा बैजनाथ पटेल ने बताया कि अमित गुरुवार रात करीब 8 बजे किसी काम से घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिवार के लोगों ने उसकी तलाश भी की, लेकिन सुबह सड़क किनारे शव मिलने की सूचना मिली। परिजनों का कहना है कि अमित की मौत सामान्य नहीं लग रही। शव पर चोट के निशान थे और नाक-मुंह से खून बह रहा था। उनका आरोप है कि किसी विवाद के बाद अमित की हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंका गया है। परिवार ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल है। लोग युवक की मौत को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रीवा में बड़ी कार्रवाई, 9 स्लीपर बसों के रजिस्ट्रेशन निलंबित

रीवा। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले बस संचालकों पर मध्य प्रदेश के रीवा आरटीओ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ स्लीपर बसों के रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिए हैं। ये बसें वाराणसी, नागपुर, प्रयागराज, इंदौर और रायपुर सहित विभिन्न अंतरराज्यीय मार्गों पर संचालित हो रही थीं। विशेष जांच अभियान में सुरक्षा मानकों में गंभीर खामियां मिलने के बाद यह कदम उठाया गया।

आरटीओ विभाग ने शुक्रवार को यह कार्रवाई परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश, ग्वालियर के निर्देश पर की गई जांच के आधार पर की। जांच में सामने आया कि कई बसों में फायर सेफ्टी उपकरण तक नहीं लगे थे, जबकि स्लीपर बसों में यह व्यवस्था अनिवार्य होती है। आग लगने जैसी आपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा के लिए इन उपकरणों का होना बेहद जरूरी माना जाता है।जांच के दौरान कई बसों में चालक सीट के पीछे अवैध पार्टिशन डोर भी पाए गए। आरटीओ मनीष त्रिपाठी ने बताया कि आपात स्थिति में यही रास्ता यात्रियों के बाहर निकलने के लिए महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में पार्टिशन डोर लगाना केंद्रीय मोटरयान नियम 1989 और मोटरयान अधिनियम 1988 का उल्लंघन है।

कार्रवाई के दायरे में आई बसों में महाराष्ट्र की चार, तेलंगाना और अरुणाचल प्रदेश की एक-एक बस शामिल हैं। इसके अलावा उज्जैन, आगर-मालवा और देवास में पंजीकृत एक-एक बस पर भी कार्रवाई की गई है। सभी वाहनों के पंजीयन निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और उनके रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं।

आरटीओ अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय में देशभर में स्लीपर बसों में आग लगने और सड़क हादसों की घटनाएं बढ़ी हैं। इन्हीं घटनाओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा मानकों के पालन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बस संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से लगाएं और मोटरयान अधिनियम के नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

बैतूल में सड़क हादसे में घायल दो दोस्तों ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के सोहागपुर के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो दोस्तों की इलाज के दौरान मौत हो गई, पुलिस ने शुक्रवार को शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना सोहागपुर के पास की है, जहां बाइक सवार दो दोस्तों की सड़क दुर्घटना में जान चली गई। मृतकों की पहचान जामठी निवासी 20 वर्षीय साजन धुर्वे और जुना वाणी निवासी 27 वर्षीय रवि धुर्वे के रूप में हुई है।

दोनों काम के सिलसिले में अक्सर गुजरात जाते थे और कुछ दिन पहले ही वापस लौटकर बैतूल के आसपास मजदूरी कर रहे थे। गुरुवार को दोनों बाइक से जा रहे थे, तभी सोहागपुर के पास उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। राहगीरों की मदद से दोनों को गंभीर हालत में पहले जिला अस्पताल और फिर बेहतर इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में जीवन और मौत से जूझते हुए गुरुवार रात रवि धुर्वे ने दम तोड़ दिया, जबकि शुक्रवार तड़के साजन धुर्वे ने भी अंतिम सांस ली। बैतूल बाजार पुलिस ने शुक्रवार को दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

रवि के परिवार में माता-पिता व दो भाइयों के अलावा एक बहन है जो टीकमगढ़ पुलिस में पदस्थ है, वहीं साजन के परिवार में माता-पिता, एक छोटा भाई और एक बहन हैं। दोनों युवकों की मौत से उनके पैतृक गांवों में मातम छा गया है।

कागजों में दौड़ीं ट्रेनें, धरातल पर यात्री परेशान, रेल मंत्रालय के आदेशों का मखौल!

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर रेलवे स्टेशन पर भारतीय रेलवे का एक अजीबोगरीब और गैर-जिम्मेदाराना रवैया सामने आया है। यहां रेल मंत्रालय का बाकायदा लिखित आदेश जारी होने के बावजूद महीनों बाद भी ट्रेनों का वास्तविक संचालन शुरू नहीं हो सका है। रेलवे की इस सुस्ती का खामियाजा क्षेत्र के हजारों दैनिक यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। यात्री रोज इस उम्मीद में स्टेशन आते हैं कि शायद आज ट्रेन रुकेगी, लेकिन उनके हाथ सिर्फ कोरी घोषणाएं और आश्वासन ही लगते हैं।

सोगरिया-दानापुर एक्सप्रेस का गुमशुदा स्टॉपेजयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक (कोचिंग) राजेश कुमार के पत्र (दिनांक 12 मार्च 2026) द्वारा सोगरिया-दानापुर एक्सप्रेस (ट्रेन क्रमांकः 19801/19802) के अशोकनगर स्टेशन पर कमर्शियल स्टॉपेज की आधिकारिक घोषणा की गई थी।जमीनी हकीकत में आदेश जारी हुए कई हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन यह ट्रेन आज भी अशोकनगर स्टेशन को ऐसे बाय-बाय बोलकर निकल जाती है, जैसे यहाँ कोई स्टेशन ही न हो।इसी तरह, रेलवे बोर्ड के निदेशक (कोचिंग) संजय आर.नीलम के पत्र (दिनांक 15 अप्रैल 2026) द्वारा बीना-रूठियाई मेमो (ट्रेन क्रमांकः 61611/61612) के फेरे बढ़ाए जाने की घोषणा की गई थी।वहीं मेमो ट्रेन के यात्रियों की मांग रही है कि क्षेत्र के नौकरीपेशा, व्यापारियों और छात्रों की विशेष मांग थी कि इस मेमो ट्रेन का वापसी का समय रात्रि 8ः 00 बजे के स्थान पर संशोधित कर रात्रि 8ः 45 बजे किया जाए, ताकि देर शाम काम से छूटने वाले लोगों को इसका वास्तविक लाभ मिल सके। अब हकीकत ये है कि फेरे बढ ?ा तो दूर, समय में बदलाव की फाइल भी विभाग के किसी कोने में धूल खा रही है।ढोल-नगाड़ों से हुआ था स्वागत, अब पसरा सन्नाटाःजब मार्च और अप्रैल में ये दोनों आदेश आए थे, तो क्षेत्र के यात्रियों और जनप्रतिनिधियों ने अत्यंत हर्ष के साथ रेलवे के इस फैसले का स्वागत किया था। स्टेशन पर उत्साह का माहौल था कि अब सफर आसान होगा। किंतु आदेश जारी होने के कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी रेल प्रशासन गहरी नींद से नहीं जागा है।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. योगेश मिश्रा ने रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि रेलवे बोर्ड केवल आदेश जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, लेकिन उन्हें धरातल पर लागू करने की कोई गंभीर पहल नहीं होती। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और अव्यवस्थाओं के बीच यात्री रोज परेशान हो रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की सुध लेने वाला कोई नहीं है। डॉ. मिश्रा ने तंज कसते हुए पूछा कि यदि ट्रेनों का संचालन शुरू ही नहीं करना था, तो आखिर यात्रियों को घोषणाओं का ह्ललॉलीपॉपह्व क्यों दिया गया? साथ ही उन्होंने रेलवे प्रशासन से जल्द निर्णय लेकर यात्रियों को राहत देने की मांग की।

जनप्रतिनिधियों के समय पर टिकी ट्रेनों की रफ्तार !इस पूरे मामले में जब भोपाल रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) शिवशंकर से बात की गई, तो उनका कहना था कि रेलवे द्वारा उक्त ट्रेन संचालन के लिए जनप्रतिनिधियों को चिटठी लिखी गई है। उनसे समय मिलते ही उक्त ट्रेनों का संचालन (हरी झंडी दिखाकर) शुरू कर दिया जाएगा।

राज्य शिक्षा केंद्र की कक्षा 5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा की नई तारीखें घोषित

16 से 23 जून तक होंगी परीक्षाएं, 24 से 28 जून के बीच होगा मूल्यांकन

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 की संशोधित समय-सारणी शुक्रवार को जारी कर दी है। पहले घोषित कार्यक्रम में आंशिक संशोधन करते हुए अब परीक्षाएं 16 जून से 23 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अपरिहार्य कारणों के चलते परीक्षा तिथियों में बदलाव किया गया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सभी परीक्षाएं नई समय-सारणी के तहत आयोजित कराई जाएंगी। इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों, जिला शिक्षा अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पुनः परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 24 जून से 28 जून 2026 के बीच पूरा किया जाएगा। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि मूल्यांकन प्रक्रिया समय-सीमा में पूरी हो, ताकि परिणाम घोषित करने में किसी प्रकार की देरी न हो। राज्य शिक्षा केंद्र ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा आयोजन से जुड़े अन्य सभी दिशा-निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे। केवल परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया गया है, जबकि परीक्षा प्रक्रिया और व्यवस्थाओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। विभाग स्तर पर परीक्षा की निगरानी और व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी गई है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

मप्र की 3,540 करोड़ की जबलपुर आउटर रिंग रोड परियोजना बनेगी मध्य भारत में कनेक्टिविटी का नया मानक

114 किलोमीटर लंबी परियोजना से मिलेगी जाम से राहत, विकास को मिलेगा नया आधार

भोपाल। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा मध्य प्रदेश में विकसित की जा रही जबलपुर आउटर रिंग रोड परियोजना महाकौशल क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखने जा रही है। प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है। लगभग 3,540 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रही 114 किलोमीटर लंबी यह महत्वाकांक्षी परियोजना जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी, व्यापार, पर्यटन एवं औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने वाली यह परियोजना शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के साथ-साथ क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन, कृषि और औद्योगिक गतिविधियों को भी मजबूती प्रदान करेगी। फोर लेन वाले इस अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण विशेष रूप से शहर के बाहर से आने-जाने वाले भारी एवं लंबी दूरी के यातायात को सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। फोर लेन वाले इस अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण विशेष रूप से शहर के बाहर से आने-जाने वाले भारी एवं लंबी दूरी के यातायात को सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसके पूर्ण होने के बाद जबलपुर शहर में यातायात का दबाव कम होगा तथा उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की ओर जाने वाले वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकसित हो रहे आधुनिक अधोसंरचना नेटवर्क ने भारत की विकास यात्रा को नई गति प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे, आर्थिक कॉरिडोर और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश को नई ऊर्जा मिल रही है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि विगत वर्षों में जबलपुर में तेजी से हुए शहरी विस्तार, औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि तथा यात्री एवं मालवाहक वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात दबाव लगातार बढ़ा है।

शहर की प्रमुख सड़कों पर जाम, लंबा यात्रा समय और ईंधन की अतिरिक्त खपत आम समस्या बन गई थी। आउटर रिंग रोड परियोजना इन चुनौतियों का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है। इसके संचालन से लंबी दूरी के वाहनों का आवागमन शहर के बाहर से होगा, जिससे शहरी सड़कों पर दबाव कम होगा और आम नागरिकों को अधिक सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि परियोजना को प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 5 अलग-अलग पैकेजों में विभाजित किया गया है। इनमें बरेला से मानेगांव, मानेगांव से एनएच-45, एनएच-45 से कुशनेर, कुशनेर से अमझर तथा अमझर से बरेला तक के खंड शामिल हैं। सभी पैकेज मिलकर जबलपुर के चारों ओर एक मजबूत बाहरी परिवहन नेटवर्क तैयार करेंगे। इन मार्गों के विकसित होने से जबलपुर हवाई अड्डे सहित क्षेत्र के प्रमुख कस्बों और ग्रामीण इलाकों को बेहतर सड़क संपर्क प्राप्त होगा। परियोजना के विभिन्न हिस्से इस वर्ष तथा अगले वर्ष चरणबद्ध रूप से यातायात के लिए खोले जाएंगे। परियोजना का सीधा लाभ किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा। वर्तमान में बरेला, शाहपुरा, पाटन, सिहोरा और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में ट्रैफिक जाम और परिवहन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

पन्ना पुलिस ने एपीके फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार सख्त एवं तकनीकी कार्रवाई की जा रही है। पन्ना पुलिस ने शुक्रवार को एपीके फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक आरोपित को नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। आरोपित के कब्जे से 90 हजार रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।फरियादी गोपाल बंसकार ने 1930 साइबर हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कर बताया कि उसके सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सिमरिया स्थित खाते से संचालित नवी यू.पी.आई. एप के माध्यम से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कुल 1 लाख 90 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई है।शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक पन्ना निवेदिता नायडू के निर्देशन में पुलिस एवं साइबर सेल की एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा फरियादी के मोबाइल फोन में एपीके (अढक) फाइल इंस्टॉल कराकर मोबाइल का अनाधिकृत एक्सेस प्राप्त किया गया था। एपीके फाइल इंस्टॉल होने के बाद आरोपितों ने मोबाइल की संवेदनशील जानकारी, बैंकिंग एक्सेस, यूपीआई एवं ट्रांजेक्शन ओटीपी संबंधी जानकारी हासिल कर खाते से अवैध ट्रांजेक्शन किये।

पुलिस टीम द्वारा तकनीकी जांच एवं डिजिटल ट्रेल के विश्लेषण के दौरान पता चला कि 23 अप्रैल को फरियादी के खाते से 95 हजार रुपये तथा 27 अप्रैल को पुनः 95 हजार रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किये गये थे। विवेचना के दौरान बैंक खातों, मोबाइल नंबरों एवं साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 90 हजार रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन जब्त किया है।

खेल अवसंरचना, जमीनी स्तर पर प्रतिभा विकास, युवा भागीदारी और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने पर हुई चर्चा

रक्षा खडसे ने मेघालय सरकार के साथ खेल और युवा विकास पहलों की समीक्षा की

शिलांग। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने शुक्रवार को मेघालय सरकार के साथ खेल और युवा विकास कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र, युवा सहभागिता कार्यक्रमों, खेल अवसंरचना परियोजनाओं और खिलाड़ियों के विकास से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। खास तौर पर जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी बढ़ाने और खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर तैयार करने पर जोर दिया गया। बैठक में राज्य सरकार ने खेल क्लबों, संघों और खिलाड़ियों के समर्थन के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य खेल छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्तमान में लगभग 900 खिलाड़ियों को सहायता दी जा रही है। बैठक में मुख्यमंत्री फुटबॉल मिशन के तहत मेघालय की जमीनी फुटबॉल योजनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल विकास मॉडल से प्रेरित इस पहल के तहत राज्य में 125 जमीनी केंद्र संचालित हो रहे हैं और करीब 10 हजार खिलाड़ियों को इससे लाभ मिल रहा है। इस योजना के जरिए मेघालय से कई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी भी उभरे हैं। बैठक में राज्य की खेल अवसंरचना परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। मावखानू फुटबॉल स्टेडियम की प्रगति पर चर्चा हुई, जिसे क्षेत्र के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियमों में से एक के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसे राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह के संभावित स्थल के रूप में भी देखा जा रहा है। इसके अलावा उमसावली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और उमथम स्थित स्लैलम कोर्स परियोजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि उमथम का स्लैलम कोर्स देश की प्रमुख वाटर स्पोर्ट्स और स्लैलम प्रशिक्षण सुविधाओं में उभर रहा है। रक्षा खडसे ने जमीनी स्तर पर खेल ढांचे को मजबूत करने, युवाओं की

भागीदारी बढ़ाने और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में 'येस मेघालय' योजना की भी समीक्षा हुई, जिसके तहत युवा कार्यक्रम चलाने वाले क्लबों और संगठनों को सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही 'माई भारत' पोर्टल के माध्यम से युवाओं को स्वैच्छिक सेवाओं से जोड़ने और राष्ट्रीय खेलों जैसे बड़े आयोजनों में स्वयंसेवी अवसर उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। रक्षा खडसे ने खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों को मजबूत करने और राज्य की खेल अवसंरचना को खिलाड़ी विकास प्रणाली से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि उभरते खिलाड़ियों के लिए बेहतर मार्ग तैयार किए जा सकें। बैठक में मेघालय खेलों और दीर्घकालिक खिलाड़ी विकास योजनाओं पर भी चर्चा हुई। रक्षा खडसे ने कहा कि केंद्र सरकार मेघालय और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल अवसंरचना, खिलाड़ी सहायता प्रणाली और युवा विकास कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि मेघालय में खेल प्रतिभाओं और युवा ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं तथा केंद्र, राज्य सरकार, खेल संस्थानों और सामुदायिक संगठनों के समन्वित प्रयास देश में मजबूत खेल संस्कृति विकसित करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

बैठक में मेघालय के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री वेलाडमिकी शायला और राज्य सरकार के आयुक्त एवं सचिव डॉ. विजय कुमार डी मौजूद रहे।बैठक में मेघालय सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण, मेघालय राज्य ओलंपिक संघ तथा खेल और युवा विकास से जुड़े विभिन्न संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मेघालय राज्य ओलंपिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष जॉन एफ. खारशींग, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईएमएच पासाह, संयुक्त सचिव पिनबियांग लालू और कोषाध्यक्ष कसान कुपार वारजरी सहित कई प्रतिनिधियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से जिमनास्ट प्रणति नायक की राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल 2026 की तैयारी को मिल रही मजबूती

नई दिल्ली। भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक की राष्ट्रमंडल खेल 2026 और एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना से लगातार मजबूत सहयोग मिल रहा है। सरकार की ओर से उन्हें और भारतीय जिमनास्टिक टीम को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर, विदेशी प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कोचिंग शिविर और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी प्रणति नायक इस समय भुवनेश्वर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में 22 मई से 20 जून 2026 तक आयोजित सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का हिस्सा हैं।

यह शिविर 25 से 28 जून 2026 तक चीन के जुनयी में होने वाली 13वीं सीनियर एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्रणति इस प्रतियोगिता में भारतीय सीनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक

टीम का हिस्सा होंगी।

भुवनेश्वर शिविर के लिए कुल 23.52 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिसमें सीनियर और जूनियर जिमनास्ट, कोच और सपोर्ट स्टाफ सहित कुल 21 सदस्य शामिल हैं। अगले महीने चीन में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए सरकार ने भारतीय सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक दल की भागीदारी हेतु 36.59 लाख रुपये की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। इस दल में खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ सहित कुल 17 सदस्य शामिल हैं।

प्रणति नायक को लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना के तहत व्यक्तिगत स्तर पर भी महत्वपूर्ण सहायता मिली है। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 19 से 25 मई 2026 तक आयोजित एफआईजी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक वर्ल्ड चैलेंज कप में भागीदारी के लिए प्रणति, उनके कोच अशोक कुमार मिश्रा और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. स्वेता अटिली के लिए 5.89 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की गई थी। इस प्रतियोगिता में प्रणति ने रजत पदक जीता।

ओलंपिक और एशियाई खेल चक्र को ध्यान में रखते हुए भारतीय जिमनास्टिक कार्यक्रम को मजबूत करने के उद्देश्य से लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना के तहत नवंबर 2025 से दिसंबर 2025 तक यूनाइटेड किंगडम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर और फरवरी तथा अप्रैल 2026 में आयोजित दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए 75.65 लाख रुपये की सहायता भी मंजूर की गई थी। इस कार्यक्रम में प्रणति नायक सहित 16 सदस्यीय भारतीय जिमनास्टिक दल शामिल था। हालांकि चोट के कारण प्रणति इस शिविर का हिस्सा नहीं बन सकीं।

फ्रेंच ओपन : युकी भांबरी मिश्रित युगल के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अनिरुद्ध चंद्रशेखर पुरुष युगल से बाहर

पेरिस। भारतीय टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने अपनी रूसी जोड़ीदार अलेक्जेंड्रा पानोवा के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 के मिश्रित युगल प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। वहीं, पुरुष युगल में अनिरुद्ध चंद्रशेखर और जापान के ताकेरू युजुकी की जोड़ी हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। युकी और अलेक्जेंड्रा ने गुरुवार देर रात खेले गए मैच में नीदरलैंड्स के डेविड पेल और यूक्रेन की ल्यूडमिला किचेनोक की जोड़ी को कड़े मुकाबले में 7-6(2), 7-6(5) से हराया। एक घंटा 50 मिनट तक चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव के क्षणों में शानदार संयम दिखाया। अब प्री-क्वार्टर फाइनल में युकी और अलेक्जेंड्रा का सामना अमेरिका की डिजायरी क्रावचिक और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की की

चौथी वरीय जोड़ी से होगा।

मुकाबले में युकी और अलेक्जेंड्रा ने दोनों टाईब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की। पूरे मैच में दोनों टीमों के बीच केवल एक अंक का अंतर रहा। भारतीय-रूसी जोड़ी ने पांच ऐस लगाए और पहली सर्विस पर 70 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी सर्विस पर भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 64 प्रतिशत अंक अपने नाम किए, जबकि विरोधी जोड़ी केवल 48 प्रतिशत अंक ही जीत सकी। युकी और अलेक्जेंड्रा ने मैच में 40 विनर्स लगाए और केवल 16 अनफोर्स्ड एरर किए, जो विरोधी जोड़ी से चार कम थे।

दूसरी ओर, पुरुष युगल में अनिरुद्ध चंद्रशेखर और ताकेरू युजुकी की जोड़ी को स्विट्जरलैंड के याकूब पॉल और ब्रिटेन के मार्कस विलिस के खिलाफ 3-6, 7-6(7), 3-10 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला दो घंटे 45 मिनट तक चला।

पहला सेट गंवाने के बाद भारतीय-जापानी जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे सेट का टाईब्रेक जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। अनिरुद्ध और युजुकी ने 15 में से पांच ब्रेक प्वाइंट भुनाए, जबकि उनके विरोधी चार में से तीन ही सफल कर सके।

भारतीय महिला हॉकी टीम की पर्थ में लगातार दूसरी जीत, मैत्री श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मैत्री श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने चार मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली है।

भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में मिली हार के बाद दूसरे मैच में 4-2 से शूटआउट जीत हासिल की थी और अब तीसरा मुकाबला भी अपने नाम कर लिया।

दोनों टीमों के बीच खेले गए तीसरे मैच में शुरूआत से ही मजबूत रक्षात्मक खेल देखने को मिला।

पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल नहीं होने दिया और हाफ टाइम तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत को सफलता मिली, जब सोनम ने 36वें मिनट में फील्ड गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने

अंतिम क्वार्टर में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 49वें मिनट में लालरेमसियामी ने एक और फील्ड गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके साथ ही भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रृंखला का चौथा और अंतिम मुकाबला शनिवार, 30 मई को भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे इसी मैदान पर खेला जाएगा।

कप्तान केतन कुशवाहा की हैट्रिक से भारत ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी में कजाखस्तान को 13-0 से रौंदा

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए शुक्रवार को कजाखस्तान को 13-0 से करारी शिकस्त दी। पूल-ए के इस मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा ने हैट्रिक जमाकर भारत की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय टीम अब 31 मई को मेजबान जापान से भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे भिड़ेगी। भारत की ओर से केतन कुशवाहा ने तीन गोल किए, जबकि प्रहलाद राजभर, आशीष तानी पूर्ति, अंश बहुत्रा और शाहरुख अली ने दो-दो गोल दागे। गाजी खान और आकाश दीप ने भी एक-एक गोल किया। मैच की शुरूआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया। शुरूआती दबाव झेलने के बाद कजाखस्तान की रक्षापंक्ति 12वें मिनट में टूट गई, जब शाहरुख अली ने सर्कल के अंदर से जोरदार शॉट लगाकर भारत को बढ़त दिलाई।

अर्थव्यवस्था

भारत-कनाडा ने आर्थिक साझेदारी मजबूत करने को शुरू किया व्यापार एवं निवेश मंच

नई दिल्ली। भारत और कनाडा ने व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरूआत की है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायों को एक साथ लाना है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की तीन दिवसीय (25-27 मई) आधिकारिक यात्रा के समापन के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को बताया गया है कि कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, ताकि दोनों देशों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और व्यवसायों के लिए कारोबारी अवसरों को बढ़ाने वाले मजबूत परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

मंत्रालय के अनुसार कनाडा-भारत व्यापार एवं निवेश मंच के तहत दोनों ही पक्षों ने एक महत्वाकांक्षी एवं परस्पर लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस वर्ष के अंत तक वार्ता पूरी करने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की। दोनों देशों ने भारत और कनाडा के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी सहमति जताई है। इसमें लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंध शामिल हैं, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कारक माना गया है। कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनींदर सिद्धू सिद्धू ने पुष्टि की कि कनाडा इस वर्ष के अंत में 'टीम कनाडा ट्रेड मिशन' का प्रतिनिधिमंडल भारत भेजेगा। पीयूष गोयल के नेतृत्व में 150 से अधिक सदस्यों का व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल 25 से 27 मई के दौरान कनाडा गया था।

इस दौरान उन्होंने व्यापार जगत के कई दिग्गजों के साथ बैठकें कीं और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी का रुख शुरूआती दबाव के बाद सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख बनता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरूआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बना, लेकिन कुछ ही मिनट बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि आधे घंटे के कारोबार के बाद एक बार खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से बाजार की चाल में सुधार होने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजी,

टीसीएस और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 3.97 प्रतिशत से लेकर 1.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ओएनजीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयर 1.51 प्रतिशत से लेकर 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,817 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,478 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,339 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 120.71 अंक की मजबूती के साथ 75,988.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक उछल कर 76,220.02 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक लाल निशान में 75,817.50 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 214.96 अंक की बढ़त के साथ 76,082.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज पांच अंक की मामूली कमजोरी के साथ 23,902.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 100 अंक से अधिक उछल कर 24,002.80 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही निफ्टी ऊपरी स्तर से 130 अंक से अधिक टूट कर लाल निशान में 23,871.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 36.75 अंक की उछाल के साथ 23,943.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 141.90 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,867.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 6.55 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,907.15 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का जताया अनुमान

आरबीआई ने कहा, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और बढ़ते हुए वैश्विक तनाव के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद मजबूत बनी हुई है और मजबूत वृहद आर्थिक आधार चालू वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि को सहारा देंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बही-खाते तथा सरकार का पूंजीगत व्यय पर जोर भारत की मजबूत वृद्धि गति के लिए अनुकूल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी मजबूत घरेलू बुनियादी ढांचे के दम पर भारत आर्थिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। आरबीआई रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में भू-राजनीतिक जोखिम वैश्विक वृद्धि के लिए प्रमुख बाधा बनकर उभरा है। फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने का असर वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों में दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में लंबा खिंचने वाला संघर्ष नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 फीसदी की वृद्धि दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 फीसदी थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। इस रिपोर्ट में इसमें कहा गया कि प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भारत की वृद्धि को और गति देगा।

इस रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2026-27 में कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति एवं वितरण पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर और स्थिर कृषि संभावनाओं से 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो। केंद्र सरकार ने आरबीआई के साथ परामर्श से एक अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 की अवधि के लिए दो फीसदी घट-बढ़ के साथ महंगाई की दर (मुद्रास्फीति) के लिए चार फीसदी का लक्ष्य बरकरार रखा है।

सर्राफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज शुरूआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु आज 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं, चेन्नई में सोने की कीमत में शुरूआती कारोबार के दौरान 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोना की तरह चांदी भी आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आग कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

क्यू-लाइन बायोटेक की स्टॉक मार्केट में धमाकेदार शुरूआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। हेल्थकेयर सेक्टर में डायग्नोस्टिक इक्विपमेंट्स का निर्माण करने वाली कंपनी क्यू-लाइन बायोटेक ने आज स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 343 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 452 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद शेयरों की खरीद-बिक्री शुरू हो गई। खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर 460 रुपये तक उछला, वहीं बिक्री का दबाव बनने पर ये लुढ़क कर 431 रुपये के स्तर तक भी आया।

बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 446.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 103.80 रुपये यानी 30.26 प्रतिशत का फायदा हो गया था। क्यू-लाइन बायोटेक का 214.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 25 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 102.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 123.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 145.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 71.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 62,53,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत रही है।